सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 298 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 11 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

इंदिरा गांधी के हत्यारे का बेटा लड़ेगा पंजाब चुनाव

अमृतसर। पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। अकाली दल (वारिस पंजाब दे) पंजाब ने चुनाव के लिए अपना पहला उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पार्टी ने बस्सी पठाना विधानसभा सीट से सतवंत सिंह को उम्मीदवार बनाया है। सतवंत सिंह, 1984 के इंदिरा गांधी हत्याकांड में दोषी ठहराए गए केहर सिंह के बेटे हैं। पार्टी की ओर से उम्मीदवार की घोषणा कार्यकारी अध्यक्ष तरसेम सिंह ने की। इस दौरान सांसद सरबजीत सिंह खालसा भी मौजूद रहे।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में हटाए गए नामों से जुड़े मामलों की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों के फैसलों की डिटेल्स देने को कहा है। ये अपीलीय ट्रिब्यूनल उन लोगों की अर्जियों पर सुनवाई करते हैं, जिनके नाम बंगाल एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। कोर्ट ने ट्रिब्यूनल की संख्या, काम के घंटे और मामलों के निपटारे की रफ्तार जैसे मुद्दों की जांच करने पर सहमति जताई।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा का प्रदेश बंद

रांची। झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं और पुलिस में झड़प हुई है। कार्यकर्ता पुरानी विधानसभा के पास जुटे, जहां उन्हें डिटेन करने के लिए पुलिस पहुंची। जिसके बाद कुछ कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए, कुछ पुलिस वैन के आगे बैठ गए। पुलिस लगातार उन्हें उठाने की कोशिश में है, इस दौरान झड़प हुई है। महिला कार्यकर्ताओं को पुलिस ने घसीटकर उठाया है। छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में आज एबीवीपी विधानसभा घेराव कर रही है। इधर, भाजपा ने मंगलवार को राज्यव्यापी बंद बुलाया है। रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़कें रोकीं और टायर जलाए। कार्यकर्ताओं ने जबरन दुकानें बंद कराई।

आसमान को चूमने लगी बलौदाबाजार की बेटी; शिवांशी को मिला कमर्शियल पाइलट का लाइसेंस

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदा बाजार। सपनों को पंख मिले तो आसमान भी छोटा पड़ जाता है। बलौदाबाजार की होनहार बेटी शिवांशी केसरवानी ने अपने हौसले, मेहनत और लगन से ऐसा ही कर दिखाया है। अमेरिका में पायलट ट्रेनिंग पूरी कर उन्होंने कमर्शियल पायलट लाइसेंस हासिल किया है।

इस उपलब्धि के साथ शिवांशी बलौदाबाजार की पहली कमर्शियल पायलट बनने का गौरव हासिल करने वाली बेटी के रूप में सामने आई हैं।

शिवांशी ने विमानन क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देखा और उसे पूरा करने के लिए देश से हजारों किलोमीटर दूर अमेरिका में प्रशिक्षण हासिल किया। कठिन प्रशिक्षण, लगातार अभ्यास और अनुशासन के बाद उन्होंने कमर्शियल पायलट लाइसेंस प्राप्त किया।

शिवांशी की यह उपलब्धि सिर्फ उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे बलौदाबाजार क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। छोटे शहर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पायलट ट्रेनिंग हासिल करना और फिर लाइसेंस प्राप्त करना उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत को दर्शाता है।

उनकी सफलता उन बेटियों के लिए भी प्रेरणा है, जो पारंपरिक करियर विकल्पों से आगे बढ़कर विमानन जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहती हैं। शिवांशी ने साबित किया है कि, सपने चाहे कितने भी बड़े हों, यदि उन्हें पूरा करने का जुनून और मेहनत हो तो छोटे शहरों से भी बड़ी उड़ान भरी जा सकती है। बलौदाबाजार की बेटी शिवांशी की यह उड़ान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन गई है— अब उनका लक्ष्य आसमान में नई ऊंचाइयों को छूना है।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का अहम फैसला

'हिबा' पर फैसला : गिफ्ट डीड को रजिस्टर करना ही काफी नहीं, कब्जा देना भी जरूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मुस्लिम कानून के तहत संपत्ति के गिफ्ट डीड यानी हिबा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि सिर्फ गिफ्ट डीड का रजिस्ट्रेशन करा देना पर्याप्त नहीं है। मुस्लिम कानून के तहत वैध हिबा के लिए दान की घोषणा, प्राप्तकर्ता की स्वीकृति और संपत्ति का वास्तविक कब्जा सौंपना जरूरी है।

कोर्ट ने रायपुर की 1500 वर्गफीट जमीन से जुड़ी संपत्ति का गिफ्ट डीड अमान्य ठहराने वाले ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए अपील खारिज कर दी। दरअसल मामला रायपुर के रानी दुर्गावती वार्ड स्थित खानिज नगर, पुरैना तेलीबांधा की 1500 वर्गफीट जमीन का है। नसीमा अली ने अपने दो नाबालिग बच्चों के साथ सिविल कोर्ट में दावा दायर कर 27 मार्च 2019 को किए गए गिफ्ट डीड को चुनौती दी थी।

उनका कहना था कि, उनके पति स्वर्गीय नौशाद अली ने जमीन की खरीद और मकान निर्माण में पैसा लगाया था। पति की मौत के बाद भी वे करीब 370 वर्गफीट हिस्से में बने मकान में रह रही थीं। इसके बावजूद परिवार के सदस्यों ने पूरी संपत्ति का गिफ्ट डीड अपने नाम करा लिया और उन्हें बेदखल करने का प्रयास किया। दूसरी ओर, गिफ्ट लेने वालों का कहना था कि, संपत्ति के मालिक ने इसे अपनी आय से खरीदा था और वे ही इसके अकेले मालिक थे। इसलिए उन्हें संपत्ति किसी को भी गिफ्ट करने का पूरा अधिकार था।

हिबा की वैधता के लिए केवल दस्तावेज का पंजीकरण पर्याप्त नहीं

उन्होंने यह भी दावा किया कि, गिफ्ट डीड के बाद संपत्ति का कब्जा उन्हें दे दिया गया था और नसीमा व उनके बच्चे वहां बिना अधिकार रह रहे थे। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें और रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों की जांच के बाद कहा कि, मुस्लिम कानून में हिबा की वैधता के लिए केवल दस्तावेज का पंजीकरण पर्याप्त नहीं है। कोर्ट ने पाया कि गिफ्ट डीड में चार लोगों के पक्ष में संपत्ति दी गई, लेकिन उनके हिस्से स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं थे।

खुद कानून हाथ में लेकर कब्जा नहीं छीना जा सकता

सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि, गिफ्ट डीड के बाद भी नसीमा और उनके बच्चे करीब 370 वर्गफीट हिस्से पर लगातार कब्जे में रहे। गिफ्ट लेने वाले पक्ष यह साबित नहीं कर सके कि, पूरी संपत्ति का वास्तविक और प्रभावी कब्जा उन्हें सौंपा गया था। कोर्ट ने कहा कि, गिफ्ट डीड में कब्जा देने का उल्लेख मात्र वास्तविक कब्जा सौंपे जाने का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जा सकता। लंबे समय से संपत्ति में रह रहे पक्ष को केवल गिफ्ट डीड के आधार पर जबरन बेदखल नहीं किया जा सकता। यदि किसी पक्ष को संपत्ति पर बेहतर अधिकार का दावा है तो उसे कानून के मुताबिक उचित राहत लेनी होगी, खुद कानून हाथ में लेकर कब्जा नहीं छीना जा सकता।

गिफ्ट डीड को चुनौती देने वाली अपील खारिज

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के उस निष्कर्ष को सही माना, जिसमें 27 मार्च 2019 के गिफ्ट डीड को नसीमा और उनके बच्चों के अधिकारों के विरुद्ध शून्य और गैर-बाध्यकारी माना गया था। साथ ही, कोर्ट ने संपत्ति पर उनके कब्जे में हस्तक्षेप करने और किसी तीसरे पक्ष के पक्ष में अधिकार बनाने पर रोक लगाने का आदेश भी बरकरार रखा।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए लापता लोगों का तुरंत एफआईआर लिखने के आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को साफ किया है कि लापता लोगों के मामले में उम्र या लिंग की परवाह किए बिना तुरंत स्त्रङ्क दर्ज करनी होगी। कोर्ट ने कहा कि उसके पहले के आदेश में व्यक्ति का मतलब हर व्यक्ति है, इसमें बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि यह जानकर हैरानी हुई कि कुछ राज्यों को लगा कि आदेश सिर्फ बच्चों के लिए है। कोर्ट ने इसे राज्यों की ओर से उठाया गया जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण बहाना बताया। आदेश नहीं मानने पर अवमानना का नोटिस जारी किया जाएगा।

एफसीआरए पर बिल को संयुक्त संसदीय समिति को सौंपने की तैयारी

नई दिल्ली (ए.)। विदेशी अंशदान विनियमन कानून (एफसीआरए) में संशोधन को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर गर्माहट आ गई है। गैर-सरकारी संगठनों और विभिन्न संस्थाओं को मिलने वाली विदेशी फंडिंग को अधिक पारदर्शी और सख्त बनाने के उद्देश्य से लाए जा रहे इस संशोधन विधेयक पर सरकार और विपक्ष पूरी तरह आमने-सामने खड़े हैं।

एक तरफ जहां सरकार इस कानून के जरिए विदेशी धन के संभावित दुरुपयोग को रोकने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने का तर्क दे रही है, वहीं विपक्षी दल इसे सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर सीधा हमला करार दे रहे हैं। गतिरोध को समाप्त करने और संसद के भीतर एक सर्वसम्मत रास्ता निकालने के लिए अब सरकार विधेयक को सीधे पारित कराने के बजाय इसे संसद की संयुक्त समिति को सौंपने की रणनीतिक तैयारी में जुट गई है।

इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के तुरंत बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा स्पीकर से बंद कमरे में बैठक की। इससे पहले वे गतिरोध खत्म करने और विधेयक पर चर्चा की जमीन तैयार करने के लिए विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं के साथ भी कई दौर की बातचीत कर चुके हैं।

मोदी संग सांसदों ने एक साथ लहराया तिरंगा

नई दिल्ली (ए.)। में संसद सत्र के बीच एनडीए सांसदों की 'मंगल मिलन' बैठक मंगलवार को 'वंदे मातरम' के उद्घोष के साथ शुरू हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन समेत एनडीए के कई नेता बैठक में तिरंगे के साथ नजर आए। इस बैठक में संसद की कार्यवाही की रणनीति के साथ झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

संसद पुस्तकालय में आयोजित 'मंगल मिलन' बैठक में एनडीए के सांसदों ने एकजुटता का संदेश दिया। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेता हाथ में तिरंगा लिए नजर आए। बैठक की शुरुआत 'वंदे मातरम' के नारे के साथ हुई।

एनडीए की यह बैठक संसद सत्र के दौरान गठबंधन की रणनीति तय करने के लिहाज से अहम मानी जाती है। इसमें अलग-अलग सहयोगी दलों के सांसदों के बीच सदन की कार्यवाही को लेकर समन्वय और प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की जाती है।

एनडीए सांसदों ने संसद परिसर में झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन को लेकर भी विरोध जताया। सांसदों की ओर से झारखंड सरकार पर छात्रों के साथ कथित अत्याचार का मुद्दा उठाने की तैयारी है।

सांसदों के हाथों में ऐसे पोस्टर नजर आने की बात कही गई, जिनमें सरकार की ओर से छात्रों के प्रदर्शन पर चर्चा की इच्छा और विपक्ष पर चर्चा से बचने का आरोप लगाया गया है। इस मुद्दे को संसद में उठाकर एनडीए विपक्ष को घेरने की रणनीति पर आगे बढ़ सकता है।

'मंगल मिलन' बैठक में संसद की कार्यवाही के दौरान सांसदों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया जाता है। एनडीए सांसदों के बीच यह तय किया जाता है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और बहस के दौरान गठबंधन के सांसद सदन में मौजूद रहें। अलग-अलग सहयोगी दलों के नेताओं को प्रमुख मुद्दों पर बोलने का अवसर और जिम्मेदारी देने को लेकर भी समन्वय किया जाता है।

मध्यप्रदेश-राजस्थान में 24 घंटे से लगातार बारिश, 259 सड़कें डूबीं, यातायात पर ब्रेक

नई दिल्ली (ए.)। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। भोपाल में दो दिन से बारिश जारी है। यहां 24 घंटे में 7 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। स्कूलों में दो दिन की छुट्टी कर दी गई। शहर में 1,000 से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया। राजस्थान के 6 जिलों में आज बारिश का ऑरेंज और 17 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में पिछले 24 घंटे में हाड़ौती क्षेत्र (कोटा, बारां, बूंदी और झालावाड़) में 12 इंच तक बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एनएच-305 पर चलती गाड़ी पर मलबा और चट्टानें गिर गईं। हादसे में गाड़ी सवार दो लोग घायल हो गए, जबकि गाड़ी मलबे के नीचे दब गई। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बीती रात से बारिश हो रही है। इसके चलते राज्य में चंडीगढ़-मनाली फोरलेन समेत 259 सड़कें, 161 बिजली ट्रांसफॉर्मर और 54 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं। देश के मध्य हिस्से में इस समय एक लो-प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफसक्रिय है। उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास बना लो-प्रेशर एरिया बारिश करा रहा है।

बाजार में आई सोने-चांदी की राखियां, इस बार थोड़ी महंगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रक्षा बंधन के लिए एक बार राखियों का बाजार सज गया है। आम सूती राखियों के साआथ ही तरह तरह की डिजाइनर राखियां भी मौजूद हैं। खास लोगों के लिए खास सोने चांदी की राखियां भी आ गई हैं। इस बार ये कुछ महंगी हैं।

प्रदेश में हर साल सोने और चांदियों की राखियों का बड़ा कारोबार होता है। बीते साल यहां करीब 10 करोड़ का कारोबार हुआ था। इस बार चांदी और सोने के दाम बढ़ने के कारण चांदी की राखियों के दाम करीब डबल हो गए हैं। सोने की राखियों के दाम भी 50 फीसदी तक बढ़ गए हैं। वहीं सामान्य राखियां जहां महज दस रुपए से प्रारंभ हो जाती हैं।

वहीं फैंसी राखियों की कीमत 50 रुपए से 200 तक रहती है, लेकिन जहां तक चांदी की राखियों का सवाल है, तो इसकी कीमत इस बार पांच सौ रुपए से प्रारंभ हो रही है। बीते साल इसके दाम 300 सौ रुपए से प्रारंभ हुए थे। बीते साल चांदी के दाम एक लाख 20 हजार थे जो इस बार करीब डबल दो लाख 38 हजार हैं। चांदी की राखियां थोक में 400 से प्रारंभ होकर 24 सौ तक हैं। इनके दाम चिल्हर में पांच सौ से लेकर 25 सौ रुपए तक हैं। सोने की राखियों की शुरुआती कीमत 15 हजार रहती है। एक लाख और इससे ज्यादा कीमत की भी राखियां आती हैं।

50 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर हुआ महाविस्फोट

वैज्ञानिक बने सूरज से 30 गुना बड़े तारे की मौत के साक्षी

नई दिल्ली (ए.)। वैज्ञानिकों ने एक ऐसी घटना देखी है, जिसने उन्हें हैरान कर दिया है। उन्होंने सूरज से बड़े तारे में विस्फोट होने और उसके खत्म होने की दुर्लभ प्रक्रिया को आखिरी तक देखा है। वैज्ञानिकों की टीम मार्च से इस घटना पर नजरें रखी हुई थी।

इस बीच एक्स-रे की एक क्षणिक चमक की खोज हुई, जिसे चीन के आइंस्टीन प्रोब स्पेस टेलीस्कोप ने की। यह चमक तारे के टूटते कोर में धमाके से निकली शक्तिशाली शॉक वेव तारे की सतह को चीरकर बाहर निकली। इसे शॉक ब्रेकआउट कहा जाता है। यह सभी सुपरनोवा में होता है, लेकिन बहुत कम समय के लिए होने की वजह से इसे देख पाना मुश्किल होता है।

वैज्ञानिकों ने 2008 के बाद पहली बार शॉक ब्रेकआउट को देखा। खगोलविद ब्रेंडन ओ कॉनर ने कहा कि इस सही समय में पकड़ने के लिए किस्मत की जरूरत है।

खगोलविद जिलियन रास्टिनेजाद ने बताया कि हम शॉक को रडार की तरह समझ सकते हैं। जैसे शॉक तारे की बाहरी परतों और आस-पास के किसी भी पदार्थ से होकर जाता है, तो यह उस सिग्नल पर एक निशान छोड़ता है जिसे एक्स-रे में पकड़ा जाता है। वैज्ञानिक इन एक्स-रे का इस्तेमाल करते हैं और ढहने की कगार पर खड़े तारे का एक अभूतपूर्व, नजदीकी नजारा देख सकते हैं।

शोधकर्ताओं ने कई टेलीस्कोपों की मदद से इस घटना को कैद किया है, जिसे उन्होंने विशेष तौर पर इसके लिए टेलीस्कोपों तैनात किया गया था। यह तारा पृथ्वी से करीब 50 करोड़ प्रकाश-वर्ष दूर पास की ही एक गैलेक्सी में मौजूद था। प्रकाश-वर्ष उस दूरी को कहा जाता है, जिसे प्रकाश एक साल में तय करता है। यह दूरी 9.5 ट्रिलियन किलोमीटर होती है। वैज्ञानिकों ने अनुमान ने लगाया है कि सुपरनोवा से पहले यह तारा सूरज से करीब 30 गुना अधिक भारी था।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस धमाके के बाद एक ब्लैक होल का निर्माण हुआ, जो बहुत अधिक घनत्व वाली चीज है और जिसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति इतनी ज्यादा है कि प्रकाश भी उसमें समा जाता है और बाहर नहीं निकल पाता है।

पुणे में 4 साल की बच्ची पर 7 कुत्तों ने किया हमला

पुणे। कुत्तों के प्रबंधन पर लाख माथापच्ची के बावजूद स्थिति में खास बदलाव नहीं है। पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवाड़ में सात आवारा कुत्तों ने चार साल की बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके सिर पर 80 से ज्यादा टांके लगे हुए हैं। घटना चिखली इलाके में रविवार दोपहर की है। बच्ची के पिता गिरधर मिश्रा के मुताबिक, बच्ची पास के पेड़ से कुछ पत्तियां लेने के लिए घर से बाहर निकली थी। पेड़ के पास पहुंचते ही कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि कुत्तों के झुंड ने करीब 43 सेकेंड तक बच्ची को काटा। उसके हाथों और जांघों पर चोटें आई हैं। बच्ची की चीख सुनकर स्थानीय लोग उसे बचाने के लिए पहुंचे और कुत्तों को वहां से भगाया।

संपादकीय

परीक्षा की घड़ी

एनटीए के लिए सुरक्षा व पारदर्शिता जरूरी

ऐसे वक्त में जब नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने से उपजे छात्र आक्रोश से देश हाल ही में दो-चार हुआ है, देश के परीक्षा सिस्टम पर प्रतिभागियों का भरोसा कायम करना अपरिहार्य शर्त है। हाल के वर्षों में केंद्रीय स्तर और राज्यों में विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाएं स्थगित होने और परीक्षा परिणामों को लेकर किंतु-परंतु होने की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन बदस्तूर जारी है। ऐसे में विश्वसनीयता के सवालों से जूझ रही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए का इंटेलिजेंस, कानून लागू करने वाली एजेंसियों तथा डिफेंस फोर्सेज के अनुभवी लोगों को अपने परीक्षा सुरक्षा कमांड सेंटर में शामिल करने का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है। ये प्रयास दूसरी ओर हमें यह भी बताते हैं कि देश में महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएं कितनी संवेदनशील व असुरक्षित हो गई हैं। नए प्रावधानों के अनुसार इसके टेस्ट सिक्योरिटी और लाइव ऑपरेशन्स अनुभाग के प्रस्तावित जनरल मैनेजर परीक्षा प्रक्रिया के लगभग हर संवेदनशील हिस्से की देखरेख करेंगे, जिसके अंतर्गत प्रश्नपत्र तैयार करने, एन्क्रिप्शन से लेकर ट्रांसपोर्टेशन, स्टोरेज, वितरण और रियल-टाइम मॉनिटरिंग भी शामिल रहेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षा के उपरांत डेटा एनालिसिस से परीक्षा व्यवस्था के पारदर्शी व विश्वसनीय होने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह, नीट प्रवेश परीक्षा विवाद के उपरांत प्रतिभागियों में भरोसा कायम करने की दिशा में यह एक गंभीर कोशिश होती नजर आती है। लेकिन एक बात तो तय है कि सिर्फ तकनीक के जरिए सिस्टम की खामियां दूर नहीं की जा सकतीं। हालिया नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण में सीबीआई की जांच में एनटीए के अपने ही गोपनीय विभाग में खामियां पाई गई थीं, मसलन संतोषजनक ढंग से तलाशी न लेना, सीसीटीवी की अपर्याप्त निगरानी, जिम्मेदारियों का सही बंटवारा न होना तथा अंतिम प्रश्न सेट तक बहुत अधिक लोगों की पहुंच होना, जिसने परीक्षा प्रश्नपत्र के लीक संकट को जन्म दिया।

> “ झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन बदस्तूर जारी है। ऐसे में विश्वसनीयता के सवालों से जूझ रही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए का इंटेलिजेंस, कानून लागू करने वाली एजेंसियों तथा डिफेंस फोर्सेज के अनुभवी लोगों को अपने परीक्षा सुरक्षा कमांड सेंटर में शामिल करने का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है। ये प्रयास दूसरी ओर हमें यह भी बताते हैं कि देश में महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएं कितनी संवेदनशील व असुरक्षित हो गई हैं।

दरअसल, सीबीआई जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि परीक्षा प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञ एक-दूसरे के संपर्क में थे, जिससे परीक्षा की गोपनीयता की सुरक्षा का एक बुनियादी नियम भंग हो गया। वास्तव में, नियमानुसार किसी भी एक व्यक्ति की पहुंच पेपर के सभी फाइनल सेट तक नहीं होनी चाहिए। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस कथित गड़बड़ी के लिए किसी हाई-लेवल हैकिंग की जरूरत नहीं पड़ने दी गई। दरअसल, भ्रष्ट लोगों ने परीक्षा प्रक्रिया की मामूली खामियों का फायदा चालाकी से उठाया। निस्संदेह, यह बात किसी भी साइबर खतरे के मुकाबले नीति बनाने वालों के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि दो सप्ताह पूर्व ही धर्मेंद्र प्रधान की जगह शिक्षा मंत्री बने प्रह्लाद जोशी के कंधों पर एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद परीक्षा सिस्टम बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें विषय की संवेदनशीलता को समझते हुए तुरंत विश्वास बहाली के लिए काम आरंभ करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न केवल छात्र, बल्कि उनके अभिभावक व सारा देश फिर से निराश न हो सके। इसी तरह, एनटीए का प्रस्तावित कमांड सेंटर सिर्फ अफसरशाही का एक और विस्तार बनकर नहीं रह जाना चाहिए। वास्तविक अर्थों में इस प्रस्तावित कमांड सेंटर को स्वतंत्र रूप से काम करने का अवसर मिले, स्पष्ट रूप से जवाबदेही तय हो और सुरक्षा में कोई गड़बड़ी पाए जाने पर परीक्षा प्रक्रिया को रोकने का अधिकार मिलना ही चाहिए। निश्चित रूप से देश के लाखों छात्रों के लिए परीक्षा व्यवस्था का निष्पक्ष व पारदर्शी होना ही पहली शर्त है। इसके बावजूद यदि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को कड़ी परीक्षा से गुजरना अनिवार्य ही होगा, तो निस्संदेह, यदि एनटीए उसमें असफल रहता है, तो एजेंसी के भविष्य को लेकर कड़ा फैसला लिया जाना अपरिहार्य ही होगा। इसके अलावा, केंद्र के साथ ही राज्यों में भी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने वाली एजेंसियों के कामकाज व तौर-तरीकों पर नियमित निगरानी के लिए एक केंद्रीय ढांचा बनाया जाना चाहिए, जो बिना किसी राजनीतिक दबाव के निष्पक्ष व पारदर्शी परीक्षा सिस्टम तैयार करना सुनिश्चित कर सके।

छत्तीसगढ़ का लोक-पर्वः हरेली तिहार

धनंजय राठौर
संयुक्त संचालक, जनसंपर्क

छत्तीसगढ़ी संस्कृति में लोक-त्योहारों की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसमें प्रकृति, कृषि और जीव-जंतुओं के प्रति गहरा सम्मान झलकता है। इन्हीं त्योहारों में सबसे पहला और प्रमुख त्यौहार है — हरेली तिहार। सावन माह की अमावस्या (हरियाली अमावस्या) को मनाया जाने वाला यह पर्व छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन, कृषि परंपरा और पर्यावरण-प्रेम का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की पहचान सिर्फ उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराएँ भी हैं।

छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में पर्व और त्यौहारों की बहुलता है। प्रत्येक माह कोई न कोई त्यौहार यहाँ लोक मानस को अपने रंग में रंग लेता है। ये त्यौहार जहाँ लोक जीवन में हंसी-खुशी के अवसर उपलब्ध कराती हैं, वहीं खेल और मनोरंजन के अनुकूल साबित होते हैं। प्रकति का यह हरापन छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में भी पूरी समाहित है। हरेली, भोजली, जँवारा हो या बसंत पंचमी सभी पर्वों में प्रकृति का मनोरम और इसका अप्रतिम सौंदर्य झलकता है। इस रूप-सौंदर्य में जीवन की चारों अवस्थाओं का उल्लास और उत्साह विविध रंगों में बिखरा हुआ है।

शायद 'हरेली' का हरापन हमारी परंपराओं में हमारे संस्कारों में और हमारे लोक जीवन में प्राकृतिक हरीतिमा का ज्यादा एहसास कराता है। हरेली का यह हरापन सबके जीवन में बिखरे और निखरे यही कामना है। यह भी कामना है कि भौतिकता की चकाचौंध से परे हमारी खेल परंपराएँ जीवित रहे ताकि माटी से जुड़े ग्रामीणजन शारीरिक और मानसिक दृष्टि से सुदृढ़ रहें। माटी की सोंधी-सोंधी महक हमारे लोक गीतो से आती रहे और खेल परंपरा की यह अविरल धारा निरंतर गतिमान रहे।

1. हरेली शब्द का अर्थ और महत्व

'हरेली' शब्द 'हरियाली' से बना है। सावन के महीने में जब चारों तरफ खेतों और मैदानों में हरी-भरी फसलें और हरियाली लहलहाने लगती है, तब किसान इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाते हैं। इसे छत्तीसगढ़ का पहला तिहार माना जाता है, जहाँ से राज्य के प्रमुख लोक-पर्वों की श्रृंखला शुरू होती है।

2. कृषि उपकरणों और पशुधन की पूजा

हरेली का दिन मुख्य रूप से कृषकों और कृषि से जुड़े साधनों का धन्यवाद ज्ञापित करने का दिन है:

कृषि यंत्रों की पूजा:- हरेली की जड़ें छत्तीसगढ़ क्षेत्र की कृषि विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। यह एक उत्सव होने के साथ-साथ एक आध्यात्मिक भेंट भी है, लोगों के लिए प्रकृति, बारिश और अपने कृषि कार्य को सम्पन्न करने के बाद किसान अपने औजार, हल, फावड़ा, कुदाल, कुदाली, कुम्हड़ी, बिन्धना, बसुला, हथौड़ी, आरी,असिया, पैसुल, छूरा, खुर्पी आदि को धोकर स्वच्छ मिट्टी (मुरमी) का आसन से सजाकर किसान-किसानिन पूजा सामग्री रखकर धुले हुए चांवल आटे से हाथा लगाकर चन्दन, फूल, धुप-दीप व चीला रोटी से भोग लगाकर श्रीफ्ल अर्पित करते हैं एवं भाव विभोर हो प्रार्थना करते हैं - 'हे बलराम रूपी हल प्रचण्ड शक्ति के प्रतीक धारापति, आपने कंधा के रूप में माता को संवारा एवं सेवा करने में हमारी सहायता की कृषि कार्य बोनी ब्यासी रोपा के होते ही चहूओर हरियाली छाई इसके लिए कोटिश: धन्यवाद आपका कार्य सम्पन्न हुआ विश्राम करे। हमने आपको बड़ा कष्ट दिया, काम लिया, हमें क्षमा करें। आपकी दया हम पर सदैव बनी रहे, इसी प्रकार अन्य औजारों का कार्यानुसार निवेदन करते गेड़ी की पूजा कर शरीर के सामर्थ पैरो की रक्षा की कामना करते हैं।

पशुधन का सत्कार: पशुधन किसानों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में किसान मिश्रित कृषि प्रणाली अपनाते हैं, जिसमें फसल और पशुधन का संयोजन होता है। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में लोग कम पढ़े-लिखे और अकुशल होने के कारण अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। बैल छत्तीसगढ़ कृषि की रीढ़ हैं। किसान, विशेषकर सीमांत और लघु किसान, जुताई, ढुलाई और उत्पादन और इनपुट दोनों के परिवहन के लिए बैलों पर निर्भर रहते हैं।

खेती-किसानी के सच्चे साथी यानी गाय और बैलों की विशेष सेवा की जाती है। उन्हें नहला-धुलाकर आरती उतारी जाती है तथा 'गहूंता' (आटा, नमक और जड़ी-बूटी से बना पौष्टिक मिश्रण) खिलाया जाता है, ताकि वे रोगों से मुक्त रहें। जड़ी बुटियों से तैयार औषधि को गौठान में ले जाकर अन्डी एवं खम्हार के पत्तों में नमक, चावल या गेहूँ के गोला के साथ दवा डाल कर पशुओं को खिलाया जाता है। अरण्ड, खम्हार का पत्ता औषधि है, जो वायुजनित रोगों को दूर करता है। नमक उत्प्रेक्षण का कार्य करता है, चावल या गेहूँ के कारण दवा अधिक असरकारक बन जाती है। इससे पशु धन निरोग हो जाता है यह एक प्रकार टीकाकरण ही है।

3. परंपराएं एवं रीति-रिवाज

गेड़ी चढ़ने का आनंद:- इस पर्व में गेंड़ी का काफी महत्व है बांस के मोटे डंडो एवं बांस के पहुये को विशेष विधि से कस कर बांधा जाता है। गेड़ी का उदारण हमें पुराणों में मिलता है। बलदाऊ-कृष्ण अपने सखाओं के साथ गेड़ी चढ़ा करते थे। कृष्ण लीला प्रसंग में इसका उदाहरण मिलता है तथा खेलों का आयोजन भी होते रहे हैं, जिसमें गेड़ी दौड़, पानी पिलाना, एक पैर में खड़े होना, एक पैर में कूदना आदि अनेक खेल का आयोजन प्राचीन काल से अब तक होते आ रहे हैं। बारिश के मौसम में कीचड़ और पानी से भरे रास्तों पर चलने के साधन के रूप में शुरू हुई यह परंपरा आज एक मनोरंजक खेल बन चुकी है।

विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन:- हरेली में गाँव व शहरों में नारियल फेंक प्रतियोगिता भी होती है। सुबह पूजा-अर्चना के बाद गाँव के चौक-चौराहों पर युवाओं की टोली जुटती है और नारियल फेंक प्रतियोगिता का आयोजन की जाती है। नारियल हारने और जीतने का यह सिलसिला देर रात तक चलता है। गाँव-गाँव में गेड़ी दौड़ का आयोजन होता है। कहीं खो-खो तो कहीं फुगड़ी, कहीं बिल्लस, कहीं अत्ती-पत्ती, डंडा पचरंगा खेल का आयोजन होते आ रहे हैं। गाँव का गौठान हो या स्कूल का मैदान, गाँव के बाहर सड़क हो या चौबट्टा लगता है सारे लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सजे रहते हैं।

टोटका और सुरक्षा का विधान:- मान्यतानुसार, इस दिन गाँव को बुरी नज़र और रोगों से बचाने के लिए घर के मुख्य दरवाजों पर नीम की पत्तियाँ बांधी जाती हैं। लोहार द्वारा घरों के चौखट पर नीम की शाखाएं और लोहे की कीलें लगाई जाती हैं। स्थानीय मान्यता है कि इससे घर को बुरी शक्तियों और बीमारियों से सुरक्षा मिलती है। यह प्रथा नीम के ज्ञात औषधीय गुणों और ग्रामीण स्वास्थ्य संबंधी पारंपरिक मान्यताओं में इसकी भूमिका से प्रेरित है।

हरेली तिहार में बनाए जाने वाले ब्यंजन:- मुख्य रूप से गुड़ के चीला, अईरसा, चौसेला और बोबरा जैसे पारंपरिक पकवान बनाए और बांटे जाते हैं। गुलगुला भजिया, गुड़हा चीला, सोहारी, बड़ा, ठेठरी, खुरमी और बोबरा जैसे पारंपरिक छत्तीसगढ़ी पकवान बनाए जाते हैं। इन व्यंजनों का भोग कृषि औजारों और गोधन को लगाया जाता है। इस दिन छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का विशेष आनंद लिया जाता है।

4. सांस्कृतिक और सामाजिक संदेश

हरेली तिहार केवल एक धार्मिक या लोक-अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह मानव का प्रकृति के साथ अटूट संबंध दर्शाता है। यह पर्व सिखाता है कि जो प्रकृति और पशुधन हमें जीवन और भोजन देते हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना हमारा परम कर्तव्य है।आज के समय में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा हरेली पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर और 'छत्तीसगढ़िया क्रांति' के तहत पारंपरिक खेलों (जैसे गेड़ी दौड़) को बढ़ावा देकर इस लोक-सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

कब मिलेगी भाषाई पराधीनता से मुक्ति

डॉ. ऋतु सारस्वत

हाल में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक अंग्रेजी शब्द के उच्चारण को लेकर कुछ लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर जिस प्रकार उपहास किया, उसने एक बार फिर हमारी उस मानसिक रुग्णता को सामने ला खड़ा किया, जो विगत अनेक दशकों से न केवल हमें भीतर ही भीतर खोखला करती आ रही है, बल्कि हमारे आत्मविश्वास को भी निरंतर क्षीण कर रही है। विडंबना यह है कि उसके कारणों पर न हमने कभी गंभीर आत्ममंथन किया और न ही उसके विरुद्ध कोई वैचारिक प्रतिरोध खड़ा किया।

परिणामस्वरूप उपहास की यह घृणित प्रवृत्ति हमारे सार्वजनिक जीवन का लगभग स्वीकृत व्यवहार बन गई है। इस घटना ने एक और गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया कि किसी व्यक्ति को यह अधिकार किसने दिया कि वह किसी अन्य की भाषा, उच्चारण अथवा अभिव्यक्ति को अपनी तथाकथित श्रेष्ठता की कसौटी पर परखे और स्वयं को श्रेष्ठ घोषित करते हुए दूसरे का मखौल उड़ाए। यदि किसी भाषा का ज्ञान किसी व्यक्ति में दूसरों के प्रति सम्मान के स्थान पर उपेक्षा और उपहास का भाव उत्पन्न कर रहा है तो समस्या भाषा की नहीं, उस ज्ञान के अहंकार की है।

राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त कर लेने के दशकों बाद भी हम मानसिक और विशेष रूप से भाषाई पराधीनता से आज तक मुक्त नहीं हो पाए हैं। प्रश्न किसी व्यक्ति

का नहीं है। प्रश्न उस मानसिकता का है, जिसने विदेशी भाषा में निपुणता को ही ज्ञान, प्रतिभा, योग्यता और सामाजिक प्रतिष्ठा का पर्याय बना दिया है। यदि अंग्रेजी में पारंगत होना ही ज्ञान, प्रतिभा और श्रेष्ठता का अंतिम प्रमाण होता तो आज चीन, जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया जैसे देश विश्व के अग्रणी राष्ट्र नहीं होते।

इन देशों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उद्योग, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व अपनी भाषाओं के आत्मविश्वास के साथ स्थापित किया है। उन्होंने अपनी भाषा को आधुनिक बनाया, जबकि हमने आधुनिकता को ही विदेशी भाषा का पर्याय मान लिया। वहां अपनी भाषा में बोलना गौरव का विषय है, जबकि किसी विदेशी भाषा में संवाद करना सामाजिक प्रतिष्ठा का मानदंड नहीं माना जाता। वैश्विक मंचों पर भी उनके राष्ट्रीय नेता अपनी भाषा में विचार रखना स्वाभाविक समझते हैं, क्योंकि भाषा उनके लिए केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्मिता और आत्मसम्मान का भी प्रतीक है।

भारतीय समाज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि विदेशी भाषा में पारंगत होना योग्यता, बुद्धिमत्ता और सामाजिक प्रतिष्ठा का पर्याय मान लिया गया है, जबकि अपनी ही मातृभाषा में बोलना अनेक लोगों के लिए संकोच का विषय बना चुका है। यह किसी व्यक्ति की कमजोरी नहीं, बल्कि उस स्थापित सामाजिक मानसिकता का परिणाम है, जिसने भाषा को अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यांकन का पैमाना बना दिया है। इस मानसिकता का सबसे जीवंत उदाहरण हमारा सिनेमा जगत है, जिसने हिंदी भाषा के माध्यम से अपार लोकप्रियता, प्रतिष्ठा और आर्थिक समृद्धि अर्जित की, किंतु उसके अनेक प्रतिष्ठित कलाकार सार्वजनिक मंचों पर अंग्रेजी में संवाद करना अधिक सहज समझते हैं।

आवश्यकता ऐसी सामाजिक चेतना की है, जो निरंतर इस तथ्य को स्थापित करे कि अपनी मातृभाषा में संवाद करना सम्माननीय है। सिंगापुर के पूर्व प्रधानमंत्री ली कुआन यू ने कहा था, 'जिस समाज के पास अपनी भावनाओं से जुड़ी मातृभाषा नहीं होती, वह भावनात्मक रूप से अपंग हो जाता है। ऐसा समाज स्वयं पर संदेह करने लगता है और उसका आत्मविश्वास धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है।' दुर्भाग्य यह है कि भारत में इस मानसिकता का पोषण सबसे अधिक हमारी शिक्षा व्यवस्था ने किया है। बचपन से ही बच्चों और अभिभावकों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि सफलता का मार्ग ज्ञान से अधिक अंग्रेजी से होकर जाता है। परिणामस्वरूप हमारी ऊर्जा किसी कौशल, अनुसंधान, सृजनात्मकता और नवाचार विकसित करने के बजाय अंग्रेजी सीखने में अधिक व्यय होने लगती है। जबकि रोजगार भाषा नहीं, योग्यता और कौशल उत्पन्न करते हैं।

दुखद यह है कि मानसिक गुलामी की यह प्रवृत्ति केवल सामान्य जनजीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। नेतृत्व का मूल्यांकन अनेक बार उसके विचारों, अनुभव और कार्यक्षमता की अपेक्षा अंग्रेजी में संवाद करने की क्षमता के आधार पर किया जाता है। यदि वह अंग्रेजी में सहज नहीं हैं तो उसके ज्ञान, योग्यता और नेतृत्व क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगाने का प्रयास किया जाता है। यह प्रवृत्ति किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए उचित नहीं कही जा सकती। लोकतंत्र की शक्ति भाषा में नहीं, विचार में होती है। किसी के उच्चारण का उपहास करना उपहास करने वाले व्यक्ति की मानसिक पराधीनता का सबसे बड़ा प्रमाण होता है और विश्व की किसी भी संस्कृति में मानसिक रूप से पराधीन व्यक्ति कभी भी सम्मान योग्य नहीं होता।

- लेखिका समाजशास्त्र की प्रोफेसर हैं

एक न्यायाधिकरण, जो अपने आप में पूर्ण है

एन. वेंकटरमण

हमारे सार्वजनिक अधिनियमों में न्यायाधिकरणों के गठन से जुड़े कुछ ही प्रश्न ऐसे हैं, जिनकी इतनी बार पुनर्समीक्षा हुई है। 1987 के एस. पी. संपत कुमार मामले से लेकर नवंबर 2025 में मद्रास बार एसोसिएशन से संबंधित निर्णय तक, न्यायालयों ने कानून निरस्त किये, निर्देश जारी किए और फिर उसी आधार पर स्वयं को नए कानूनों की समीक्षा करते हुए पाया। यह विषय इतने चक्र से गुजरा है, जो अपने आप में दर्शाता है कि समस्या कितनी कठिन रही है। न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026 इसीलिए ध्यान आकर्षित करता है क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि उसने अंतत: वास्तविक समस्या की पहचान कर ली है और उम्मीद है कि समाधान भी खोज लिया है।

यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है। दूसरे देशों को भी इसका सामना करना पड़ा है और उनका निदान ध्यान देने योग्य है। ब्रिटेन में जब सर एंड्रयू लेगट ने 2001 में इस क्षेत्र की समीक्षा की, तो पाया कि सत्तर से अधिक न्यायाधिकरणों का प्रशासन उन्हीं विभागों द्वारा किया जा रहा था, जिनके निर्णयों की वे समीक्षा करते थे। उन्होंने इसे मूल दोष माना। उनका उपाय कार्यकाल में बदलाव या योग्यताओं को परिष्कृत करना नहीं था। उनका समाधान था कि न्यायाधिकरणों को उनके प्रायोजक विभागों से अलग कर उनका प्रशासन एकल सेवा के अधीन किया जाए। यही सुधार 2007 के अधिनियम का आधार बना। यह सुधार संरचनात्मक था। उसने निर्भरता के लक्षणों को नहीं, बल्कि निर्भरता की वजह का समाधान किया।भारत ने न्यायाधिकरणों की व्यवस्था को प्रारंभिक चरण में ही अपनाया और, कुल मिलाकर, यह सफल रही। 1941 में स्थापित आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण आज भी विशेषज्ञतापूर्ण न्यायनिर्णयन के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। इस प्रारूप को अनुच्छेद 323ए और 323बी तथा प्रशासनिक न्यायाधिकरण अधिनियम, 1985 द्वारा आगे बढ़ाया गया और बाद में विभिन्न नियामक क्षेत्रों में उस उच्च स्तर पर इसका विस्तार हुआ, जिसे उच्च न्यायालय नहीं ले सकते थे। पर हमारी समस्या अलग तरह की थी। जैसा कि न्यायालय की 2020 की टिप्पणी में कहा गया कि स्वतंत्रता तभी सुनिश्चित की जा सकती है जब न्यायाधिकरणों को अपने कार्य करने के लिए कार्यपालिका के कंधों का सहारा न लेना पड़े।

इस बारे में सुधार एक से अधिक बार किए गए हैं और हर बार सच्ची भावना के साथ किए गए हैं। इसके बाद होने वाली अधिकांश मुकदमेबाजी इस बात को लेकर रही कि कार्यकाल तीन वर्ष का होना चाहिए या चार या पांच वर्ष का, न्यूनतम आयु पचास वर्ष होना स्वीकार्य है या नहीं, और एक नाम या दो नामों की समिति की सिफारिश होनी चाहिए। सम्मानपूर्वक कहना होगा कि इनमें से कोई भी बात मूल समस्या तक नहीं पहुंचती। स्वतंत्र न्यायाधिकरण अंकगणित पर निर्भर नहीं करते। कार्यकाल, आयु और नामों की संख्या वे लक्षण हैं जिनके माध्यम से रोग का निदान किया गया है। वे स्वयं बीमारी नहीं हैं।

मूल बात यह है कि न्यायाधिकरण एक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर संस्था होनी चाहिए। उसका अपना प्रतिष्ठान होना चाहिए, अपने सदस्यों के चयन का उसका अपना साधन होना चाहिए, उन पर निगरानी रखने और उन्हें अनुशासित करने की अपनी व्यवस्था होनी चाहिए तथा परिसर, कर्मचारियों और धन की अपनी व्यवस्था होनी चाहिए। जहां ये सभी व्यवस्थाएं मौजूद हों, वहां स्वतंत्रता स्वाभाविक रूप से आ जाती हैं।

नया विधेयक उन सभी बिंदुओं पर न्यायालय को उत्तर देता है, जिन पर न्यायालय अपनी बात कह चुका है। लेकिन इससे भी बढ़कर एक ऐसी संस्था स्थापित करने का प्रयास है जो उन उत्तरों को स्वयं लागू करने योग्य बना दे। राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग की स्थापना कानून द्वारा की जानी है। उसका अस्तित्व, गठन और कार्य किसी कार्यपालिका आदेश से नहीं, बल्कि अधिनियम से संचालित होंगे और उसे चयन, निगरानी, अनुशासन तथा न्यायाधिकरणों की आवश्यकताओं के आकलन का दायित्व है। उसके चारों ओर एक स्थायी पेशेवर सचिवालय स्थापित किया जाएगा।

विधेयक में उन प्रत्येक बिंदुओं पर न्यायिक सर्वोच्चता बनाए रखी गयी है, जहां उसका महत्व है। आयोग की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश या किसी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाएगी और उसमें न्यायिक बहुमत का प्रावधान है। समितियों की अध्यक्षता न्यायिक रूप से की जाती है तथा निर्णायक मत न्यायिक अध्यक्ष के पास ही होता है। चयन, निगरानी, अनुशासन और कार्य-प्रदर्शन—सभी का नेतृत्व न्यायिक तौर पर किया जाता है।

यह उस बात के अनुरूप है जो न्यायालय आर. गांधी मामले के बाद से कहता आया है कि कार्यपालिका, जो सबसे बड़ी वादी है, उन लोगों के चयन में प्रमुख भूमिका नहीं निभा सकती जो उसके मामलों का निर्णय करते हैं।

इसके साथ ही यह भी महत्वपूर्ण यह है कि सर्वोच्चता का अर्थ नियंत्रण नहीं है। पूरी व्यवस्था न्यायिक पक्ष को सौंप देना भी चुनौतियों के रूप में देखा जाता है। इसलिए यह विधेयक न्यायाधिकरण को तीन स्तरों से कार्यपालिका और न्यायपालिका से समान दूरी पर रखता है। केंद्र सरकार नियमों द्वारा व्यापक सिद्धांत निर्धारित करती है। आयोग उन नियमों को लागू करने के तरीके को नियंत्रित करने वाले विनियम बनाता है। सचिवालय इसी ढांचे के तहत काम करता है। उसे कार्य करने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन दिया गया है, लेकिन परिचालन स्तर पर उसे निर्देशित नहीं किया जाता और वह अपने कार्य अधिनियम से प्राप्त करता है, न कि अधिकार या कार्य किसी दूसरे को सौंपे जाने के प्रत्यायोजन से।

इसके फलस्वरूप राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग, सचिवालय और कार्यपालिका के संयोजन से उत्पन्न नियंत्रण और संतुलन की वास्तविक व्यवस्था है। सचिवालय पात्रता की जांच और उसका अभिलेखन तैयार करेगा, जिसके आधार पर प्रत्येक निर्णय लिया जाना है। वह प्रकाशित विनियमों से बंधा है और अपने कार्यों का रिकॉर्ड रखेगा। विधेयक द्वारा कायम यही वह नाजुक संतुलन है। इसमें न तो प्रशासन में न्यायिक हस्तक्षेप है और न ही वास्तविक रूप से कार्यपालिका पर निर्भरता, जबकि चयन, निगरानी, अनुशासन और कार्य-प्रदर्शन में न्यायिक सर्वोच्चता बनी रहती है। कनाडा ने 2014 में इसी प्रकार का दृष्टिकोण अपनाया था, जब उसने अपने संघीय न्यायाधिकरणों की सहायक सेवाओं को एक ही संगठन के अधीन लाते हुए उनके न्यायनिर्णयन संबंधी स्वतंत्रता बरकरार रखी।

इस प्रकार के कानून का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि वह न्यायिक चुनौती में टिकता है या नहीं। इसका मूल्यांकन इस तथ्य के आधार पर होना चाहिए कि क्या वह उन स्थितियों को समाप्त करता है, जिनसे ये चुनौतियां पैदा हुईं। विधेयक इस कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है। यदि यह अपने निर्धारित स्वरूप में काम करता है, तो इसमें कोई संदेह नहीं कि न्यायाधिकरण व्यवस्था में काफी सुधार आएगा। इसमें वादी को अंतत: ऐसा मंच मिलेगा जो उचित रूप से गठित, पर्याप्त रूप से व्यवस्थित होगा, जहां रिक्तियां समय पर भरी जाएंगी तथा जो अपने कार्य-प्रदर्शन के लिए जवाबदेह होगा। विकसित किया गया यह मॉडल, यदि सफल रहा तो भविष्य में अन्य प्रकार के चयन के लिए भी काफी उपयोगी होगा।

- लेखक भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल हैं। व्यक्त किए गए विचार उनके निजी हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

18 अगस्त को जिले में होगा राष्ट्रीय नशा विरोधी शपथ कार्यक्रम

दुर्ग। नशा मुक्त भारत अभियान के छठवें वर्ष में प्रवेश होने के अवसर पर भारत सरकार द्वारा 18 अगस्त 2026 को देशभर में 'राष्ट्रीय नशा विरोधी' शपथ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिले में भी अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए जिले की कुल जनसंख्या के कम से कम 10 प्रतिशत लोगों को इस अभियान से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम के तहत जिले के सभी स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, निजी एवं सार्वजनिक संस्थानों तथा शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रीय नशा विरोधी शपथ दिलाई जाएगी।सभी विभागों प्रमुखों को कार्यक्रम आयोजित कर संक्षिप्त प्रतिवेदन एवं फोटोग्राफ कार्यालय उपसंचालक, समाज कल्याण विभाग जिला दुर्ग के ई-मेल dpsw.deg@gmail.com पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर भिलाई में मांस बिक्री केंद्र और पशुवध गृह रहेंगे बंद

भिलाई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई सीमा क्षेत्र अंतर्गत संचालित सभी मांस बिक्री केंद्र, पशुवध गृह एवं जीव हत्या से संबंधित गतिविधियां 15 अगस्त 2026 को पूर्णत: बंद रहेंगी। छत्तीसगढ़ शासन के पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुपालन में नगर पालिक निगम भिलाई के स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। आदेश के तहत स्वतंत्रता दिवस के दिन निगम क्षेत्र में संचालित समस्त मांस बिक्री केंद्र एवं पशुवध गृह बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। निगम प्रशासन ने संबंधित व्यवसायियों से शासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित दिवस पर मांस बिक्री, पशुवध जैसी गतिविधियां संचालित की जाती हैं, तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की गोली

दुर्ग। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर जिले में 0 से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाने के अभियान का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला महमरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत दुर्ग की स्वास्थ्य समिति सभापति सुश्री प्रिया साहू ने बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया। इस दौरान बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव, स्वच्छता एवं संक्रमण रोकने के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती नर्मदा ठाकुर, उपसरपंच श्री केवल निषाद सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। अभियान के तहत छूटे हुए बच्चों को 17 अगस्त 2026 को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी।

सेवा सेतु बना आधार : समय पर नाम सुधार होने से अग्निवीर बनने का सपना हुआ आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासन की नागरिक-केंद्रित सेवाओं को सरल, सुगम और समयबद्ध बनाने की दिशा में सेवा सेतु पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पोर्टल एवं आधार सेवा केंद्र के माध्यम से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों में सुधार एवं विभिन्न सेवाएं समय पर उपलब्ध हो रही हैं। इसका लाभ लेकर युवा अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। समय पर काम होने से फार्म भरने व दस्तावेजीकरण में आसानी हो रही है।

भलाई कैंप-1 निवासी संतोष कुमार साव के लिए समय पर मिली आधार सुधार सेवा उनके अग्निवीर बनने के सपने को पूरा करने में सहायक बनी।

संतोष ने बताया कि उन्हें अग्निवीर सेना भर्ती का फॉर्म भरना था, लेकिन आधार कार्ड में नाम एवं जन्मतिथि गलत दर्ज होने के कारण वे आवेदन नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने आधार सेवा केंद्र, सियान सदन, हुडको, जोन क्रमांक-5, भिलाई में आधार कार्ड में नाम एवं जन्मतिथि सुधार के लिए आवेदन किया। समय पर आधार में आवश्यक सुधार हो जाने के बाद संतोष ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर अग्निवीर सेना भर्ती का फॉर्म भर दिया। संतोष कुमार साव ने सेवा मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर आधार सुधार होने से वे अग्निवीर भर्ती का फॉर्म समय से भर पाए। उन्होंने बताया कि उन्हें आधार सेवा केंद्र पर सही जानकारी एवं सरल प्रक्रिया के माध्यम से सहायता मिली, जिससे पूरी प्रक्रिया उनके लिए आसान और सुविधाजनक रही। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से सेवा प्राप्त करना बेहद आसान हो गया है। नागरिकों को आवश्यक सेवाएं उनके नजदीकी केंद्रों पर सरल प्रक्रिया से उपलब्ध कराई जा रही हैं। श्री संतोष साव ने कहा कि समय पर सही सेवा, सशक्त युवा और सुरक्षित भारत की दिशा में सेवा सेतु पोर्टल शासन की नागरिक हितैषी पहल के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

ऑनलाइन पुलिसिंग एवं विवेचना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों का सम्मान

दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल की पहल, 13 पुलिस अधिकारियों को मिले प्रशस्ती पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एसएसपी विजय अग्रवाल ने सोमवार को ऑनलाइन पुलिसिंग एवं विवेचना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले थाना प्रभारियों एवं विवेचकों का सम्मान किया। ऑनलाइन पुलिसिंग एवं विवेचना से संबंधित कार्यों की समीक्षा के बाद विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्धारित कार्यों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन करने वाले अधिकारियों को चिन्हित किया गया और उसके बाद पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दुर्ग पुलिस द्वारा पुलिसिंग में तकनीक के अधिकतम उपयोग, विवेचना की गुणवत्ता में सुधार एवं प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के उद्देश्य से ऑनलाइन कार्यप्रणाली को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में जिले के थाना स्तर पर ऑनलाइन डायरी एंट्री, E-चार्जशीट, E-प्रॉसिक्यूशन, E-साक्ष्य, E-साइन, FSL, MLC/PMR, मालखाना, VCNB, CCTNS तथा DGP/IGP डैशबोर्ड से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को उनके विशिष्ट कार्यों के आधार पर चिन्हित किया गया। BNS के प्रकरणों में 60/90 दिवस की वैधानिक समय-सीमा में चालान प्रस्तुत करने तथा ऑनलाइन समंस तामीली जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन को भी शामिल किया गया।

दुर्ग पुलिस द्वारा तकनीक आधारित पुलिसिंग, गुणवत्तापूर्ण विवेचना, डिजिटल साक्ष्यों के प्रभावी संधारण तथा प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया है, ताकि पुलिसिंग की ऑनलाइन कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्धारित ऑनलाइन कार्यों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

सम्मानित होने वाले थाना प्रभारी व विवेचक

- निरीक्षक नवीन राजपूत, थाना कोतवाली दुर्ग
- निरीक्षक केशव राम कोसले, थाना मोहन नगर
- उप निरीक्षक गुरविंदर सिंह, थाना पुलगांव
- निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा, थाना भिलाई नगर
- निरीक्षक शिव नारायण सिंह, थाना सुपेला
- उप निरीक्षक राम नारायण ध्रुव, थाना छावनी
- निरीक्षक राकेश खुटेश्वर, थाना जामुल
- निरीक्षक राजेश मिश्रा, थाना पाटन
- निरीक्षक बसंत बघेल थानाअमलेश्वर
- निरीक्षक तारिक खान, थाना जामगांव आर
- निरीक्षक महेश ध्रुव, थाना धमधा
- मोहन भारद्वाज, थाना उतई
- अनिल पटेल, थाना नंदिनी

चित्रकला स्पर्धा में छात्रावास की बालिकाओं ने कल्पना को दिए रंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। समाजसेवी संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने संजीवनी बालिका छात्रावास में बालिकाओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं की रचनात्मक प्रतिभा, कल्पनाशीलता, आत्मविश्वास एवं सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर बालिकाओं को संबोधित करते हुए जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्ले ने अपनी प्रतिभा पर विश्वास रखने, निरंतर सीखने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानना और उसे आगे बढ़ने का अवसर देना ही ऐसे आयोजनों का मूल उद्देश्य है। इस प्रतियोगिता ने बालिकाओं में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार किया। रंगों और कल्पनाओं के माध्यम से बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा को खूबसूरती से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता को बालिकाओं की कक्षा एवं आयु के अनुसार तीन वर्गों में विभाजित किया गया। प्राथमिक वर्ग की बालिकाओं को अपनी कल्पना एवं रुचि के अनुसार चित्र बनाने की स्वतंत्रता दी गई, जबकि मिडिल स्कूल वर्ग के लिए पर्यावरण संरक्षण तथा हाई स्कूल वर्ग के लिए देशभक्ति विषय निर्धारित किया गया।

प्रत्येक वर्ग से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली श्रेष्ठ चित्रकृतियों का चयन किया गया तथा विजेता बालिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विनोद सिन्हा, जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा, सीता अग्रवाल, छात्रावास प्रभारी एवं धनेश्वरी साहू, अधीक्षिका, संजीवनी बालिका छात्रावास की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अवैध पार्किंग के खिलाफ भिलाई निगम का अभियान जारी, सड़क पर खड़े वाहनों पर चालानी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने व सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करने अवैध पार्किंग के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से वाहन खड़ा करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर कई वाहन चालक सड़क के किनारे अपने वाहन खड़े कर देते हैं। वहीं ऑटो-रिक्शा चालक भी सवारी बैठाने और उतारने के लिए सड़क पर ही वाहन रोक देते हैं। इससे यातायात बाधित होने के साथ ही अन्य वाहन चालकों को परेशानी होती है और सड़क दुर्घटना की आशंका भी बढ़ जाती है। निगम प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा ऐसे वाहन चालकों को सड़क पर वाहन खड़ा

नहीं करने की समझाइश देने के साथ ही नियमों का उल्लंघन करने पर चालानी कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा गंभीर रूप से यातायात बाधित करने वाले वाहनों को जब्त किया गया।

निगम प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सड़क किनारे अथवा यातायात को बाधित करने वाले स्थानों पर वाहन खड़ा न करें। ऑटो-रिक्शा एक निर्धारित एवं सुरक्षित स्थान पर ही सवारी चढ़ाएं-उतारें, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था बनी रहे और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।

सड़क पर बैठे मवेशियों को पकड़ रही निगम की रोका-छेका टीम

नगर पालिक निगम भिलाई की रोका-छेका विभाग की टीम शहर के प्रमुख सड़कों एवं मार्गों पर भ्रमण कर सड़क के बीच बैठे तथा यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले मवेशियों को पकड़ने का कार्य कर रही है। निगम की टीम द्वारा काउकेचर वाहन के माध्यम से मवेशियों को सुरक्षित रूप से पकड़कर कोसा नाला स्थित गौठान में पहुंचाया जा रहा है। गौठान में पकड़े गए मवेशियों के लिए निगम द्वारा खाने एवं पीने की व्यवस्था के साथ ही आवश्यक चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। निगम का उद्देश्य मवेशियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना तथा नागरिकों और वाहन चालकों के लिए सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

महिलाएं सीख रहीं राजमिस्त्री का हुनर आत्मनिर्भरता और रोजगार को बढ़ावा

- प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए तैयार होंगे राजमिस्त्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत धमधा की ग्राम पंचायत बिरेभाट में 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। 27 जुलाई से 25 अगस्त तक चल रहे प्रशिक्षण में 33 महिलाएं और 2 पुरुष सहित कुल 35 प्रतिभागी शामिल हुए।

प्रशिक्षण में नींव निर्माण, ईंट चिनाई, दीवार, छत ढलाई, प्लास्टर, फ्लोरिंग एवं फिनिशिंग सहित भवन निर्माण की आधुनिक

तकनीकों का सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर श्रीमती हीरा बाई साहू द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रतिभागियों को नि:शुल्क ड्रेस, टूल किट एवं भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त राजमिस्त्रियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सहित अन्य निर्माण कार्यों में रोजगार के अवसर मिलेंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और गति बढ़ने के साथ महिलाओं एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।

गुरुदेव टैगोर पुण्यतिथि पर वर्षा मंगल का सफल मंचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्कूल आफ परफारमिंग आर्टस गीत वितान कला केन्द्र रुआबांधा द्वारा गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के पुण्यतिथि के अवसर पर प्रगति भवन सिविक सेन्टर भिलाई में वर्षा मंगल का आयोजन किया गया। आफिसर्स एसोशियेशन बीएसपी के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक ललित चंद्राकर, विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन व डॉ आरआरबी सिंह (कुलपति) कामधेनु विश्व विद्यालय दुर्ग उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम अतिथि के द्वारा गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं उसी के समक्ष पौधरोपण से शांति निकेतन संस्कृति का अनुसरण किया गया। इसके पश्चात स्वागत

भाषण उपाध्यक्ष सोमेन कुण्डू के द्वारा दिया गया। संस्था के बी म्युज, बी एफए एवं एम एफए के उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को दीक्षांत समारोह का मान पत्र अतिथियो के द्वारा प्रदान किया गया। विशेष रूप से डॉ योगेन्द्र चौबे (रंग मंच एवं फिल्म निर्देशक) , डॉ समीर रक्षित (शिक्षा विद् एवं सास्कृतिक चिन्तक), चिरंजीव जैन (शिक्षा विद्) एवं डॉ संकल्प राय सायबर क्राइम विभाग सेक्टर-6 पुलिस कंट्रोल रूम व्यक्तित्व का मंच पर सम्मान किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत वन्दे मातरम गीत की 150 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संस्था के गिटार एवं की बोर्ड विद्यार्थियों के द्वारा धुन की प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात रवीन्द्रनाथ टैगोर रचित (वर्षा मंगल) गीत नृत्य एवं आलेख का समन्वय गीतवितान के गायन, नृत्य छात्र- छात्राओं द्वारा दिया गया । मोनो मोर मेघेरो शोंगी, हृदय मंर्दीलो डमरू, सावन गगने घोर घन घटा, आजी झरो झरो मुखोरो बादरो रवीन्द्रनाथ संगीत एवं नृत्य की प्रस्तुति से उपस्थित कला प्रेमी एवं दर्शक झूम उठे। वर्षा मंगल के सांगितक एवं नृत्य निर्देशन नृत्यमणी मिथुन दास के द्वारा किया गया। तबले पर रूद्र प्रसन्न जेना, गिटार- डेनिल कोसारिया, गिरीशा चौहान, की-बोर्ड- हर्ष सोनटेके, विनायक घोष एवं हारमोनियम पर चन्द्रा बैनर्जी ने संगत किया। आलेख का पाठ सुपर्णा चक्रवर्ती, शुभाशीष डे, साथी सेन एवं कार्यक्रम का मंच संचालन रचना श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। वर्षा मंगल के आयोजन को सफल बनाने में नरेन्द्र कुमार बंछोर, वी के मोहम्मद, रजनी सिन्हा, प्रदीप कुमार मित्रा, राजील वर्मा, परिमल मंडल, चन्द्रा बैनर्जी, अस्मिता बैनर्जी, श्री शैलेश चाहंडे, शान्तानू दासगुप्ता, कला साहित्य अकादमी शक्ति चक्रवर्ती का विशेष योगदान रहा।

डेंगू नियंत्रण के लिए दुर्ग जिले में स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीमें मुस्तैद

- भिलाई सेक्टर-7 में मिला मरीज हुआ डिस्चार्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वर्षा ऋतु के दौरान वेक्टर जनित बीमारियों, विशेषकर डेंगू के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीमों द्वारा रोकथाम एवं नियंत्रण के उपाय तेज कर दिए गए हैं। हाल ही में भिलाई के सेक्टर-7 क्षेत्र में डेंगू का एक संभावित मामला सामने आया था। मरीज को बीते 4 अगस्त को बुखार की शिकायत के बाद श्री शंकराचार्य अस्पताल जूनवानी में भर्ती कराया गया था।

8 अगस्त 2026 को एलिसा टेस्ट रिपोर्ट में डेंगू की पुष्टि होने के बाद मरीज का त्वरित उपचार किया गया। वर्तमान में मरीज की स्थिति सामान्य है और उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन तथा जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रश्मि ग्लैड एवं जिला सर्वेलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे के नेतृत्व में प्रभावित क्षेत्र में सघन नियंत्रण अभियान चलाया गया। इसके तहत जनस्वास्थ्य विभाग, नगर निगम भिलाई और स्वास्थ्य विभाग दुर्ग के अमले द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर जाकर एंटी-लार्फिंग/एंटी-लार्वा ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसमें कूलर, पानी की टंकियों और जमा पानी में टेमिफ्स डालकर एडिज मच्छर के लार्वा को नष्ट किया जा रहा है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

50 लाख से ज्यादा बच्चों को खिलाई गई कृमिनाशक दवा

रायपुर। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत सोमवार को कोरबा जिले में 1 से 19 वर्ष तक के 50 लाख 06 हजार 112 बच्चों, किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा एलबेंडाजोल खिलाई गई। शासकीय साडा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोरबा में महापौर संजू देवी राजपूत ने बच्चों को एलबेंडाजोल की गोली खिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों, शासकीय एवं निजी स्कूलों, केंद्रीय व नवोदय विद्यालयों, मदरसों, महाविद्यालयों तथा तकनीकी शिक्षा संस्थानों के माध्यम से बच्चों को दवा दी गई। जो बच्चे 10 अगस्त को दवा लेने से छूट जाएंगे, उन्हें 17 अगस्त को मॉप-अप दिवस पर एलबेंडाजोल खिलाई जाएगी। अभियान का उद्देश्य बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने के साथ उनके स्वास्थ्य, एनीमिया की रोकथाम, बौद्धिक विकास और स्कूल में नियमित उपस्थिति में सुधार करना है।

समाज कल्याण विभाग की संवेदनशील पहल से बदली पूनम की जिंदगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दिव्यांगजनों को सम्मानजनक और सुगम जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में समाज कल्याण विभाग की संवेदनशील पहल लगातार सकारात्मक बदलाव ला रही है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम चापाटोला निवासी पूनम रावटे को विभाग द्वारा व्हीलचेयर उपलब्ध कराए जाने से न केवल उनका आवागमन आसान हुआ है, बल्कि उनकी मां बीना बाई रावटे के जीवन में भी बड़ी राहत और नई उम्मीद लौटी है। पूनम 80 प्रतिशत दिव्यांगता से प्रभावित हैं और बहु-दिव्यांगता की श्रेणी में आती हैं। वे बोल नहीं सकतीं और अपनी बात स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में भी असमर्थ हैं। उनकी देखभाल की पूरी जिम्मेदारी उनकी मां श्रीमती बीना बाई पर है, जो वर्षों से अपनी बेटी की हर जरूरत पूरी करने के लिए निरंतर संघर्ष कर रही थीं। पूनम के लिए सबसे बड़ी समस्या उनका आवागमन था।

टपकती छत से पक्के आशियाने तक पहुंची गोदावरी की जिंदगी

रायपुर। बारिश की बूंदें कभी गोदावरी के परिवार के लिए खुशी नहीं, बल्कि चिंता लेकर आती थीं। कच्ची दीवारों और टपकती छत वाले घर में रहने के दौरान हर बरसात में उन्हें सामान बचाने और बच्चों को पानी से दूर रखने की चिंता सताती थी। सर्दियों में ठंड से बचना भी किसी चुनौती से कम नहीं था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनाना वर्षों से उनके लिए एक सपना बना हुआ था। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। मुंगेली जिले के फ रहदा की रहने वाली गोदावरी का परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत मिले पक्के मकान में सुरक्षित और सुकून भरी जिंदगी जी रहा है। वर्ष 2025-26 में योजना के तहत उनके परिवार को आवास की स्वीकृति मिली और निर्माण के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए की स्वीकृत राशि ने उनके वर्षों पुराने सपने को पूरा करने की राह आसान कर दी। गोदावरी आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से हैं। सीमित आमदनी के कारण परिवार के लिए पक्का मकान बनाना संभव नहीं था। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर आई।

सकारात्मक विचार और श्रेष्ठ संगति ही जीवन की दिशा तय करते हैं: मंत्री टंक राम वर्मा

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने जनभागीदारी मद निर्मित कक्ष का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय लोचन प्रसाद पांडेय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सारंगढ़ के स्थापना दिवस के अवसर पर राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने विद्यार्थियों को अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद, पठन-पाठन, कला, गायन एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि मनुष्य के विचार ही उसके जीवन में वास्तविक बदलाव लाते हैं। श्रेष्ठ विचारों का निर्माण अच्छी संगति से ही संभव है। उन्होंने पौराणिक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट किया कि गुरु द्रोणाचार्य के सानिध्य के बावजूद गलत संगति के कारण दुर्योधन का पतन हुआ। मंत्री वर्मा ने कहा कि राज्य में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शिक्षा एवं जिला विकास के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान किए गए हैं, जिसके अंतर्गत सारंगढ़ में ऑडिटोरियम निर्माण सहित अन्य विकास कार्य गति पकड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

मंत्री वर्मा ने कहा कि जब कुम्हार ने चिलम बनाने के स्थान पर शीतल जल प्रदान करने वाली सुराही बनाने का निर्णय लिया, तो मिट्टी का रूप और उद्देश्य दोनों बदल गए। यदि विचार सकारात्मक हों, तो वे स्वयं के जीवन को संवारने के साथ-साथ समाज को भी शीतलता और शांति प्रदान करते हैं। इस दौरान उन्होंने कॉलेज परिसर में पौधरोपण किया द्य जनभागीदारी मद से निर्मित नवीन अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण भी किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक केराबाई मनहर,स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, महाविद्यालय के प्राध्यापक, एनसीसी एवं एनएसएस के कैडेट्स तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में सुविधाओं का विस्तार और स्थानीय मांगें

कार्यक्रम में सारंगढ़ विधायक उत्तरी जांगड़े ने नवीन कक्ष के निर्माण पर बधाई देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने महाविद्यालय में सेमिनार हॉल निर्माण की मांग रखी। प्राचार्य ने संस्था का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत एवं गणित विषय प्रारंभ करने तथा सेमिनार हॉल की आवश्यकता से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री साय ने हाथ में तिरंगा थामकर किया भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व, कहा-

140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है तिरंगा

हजारों कदमों के साथ गूंजा 'राष्ट्र सर्वोपरि' का संकल्प, राष्ट्रध्वज के तले एकजुट हुआ जनसैलाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हाथों में लहराता तिरंगा, भारत माता के जयघोष, देशभक्ति के गीत और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हजारों नागरिकों का उत्साह - राजधानी रायपुर पूरी तरह तिरंगे के रंग में रंगी नजर आई। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा में हजारों नागरिक राष्ट्रध्वज के तले एकजुट हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वयं हाथ में तिरंगा थामकर जनसैलाब के साथ कदम से कदम मिलाया। यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, पूर्व सैनिकों और विभिन्न सामाजिक वर्गों के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा हाथों में थामा गया लगभग एक किलोमीटर लंबा तिरंगा पूरे आयोजन का विशेष आकर्षण रहा।

तिरंगा यात्रा के शुभारंभ से लेकर समापन तक राजधानी में राष्ट्रभक्ति का अद्भुत वातावरण दिखाई दिया। हजारों हाथों में एक साथ लहराते राष्ट्रीय ध्वज और भारत माता के जयघोष ने पूरे यात्रा मार्ग को राष्ट्रप्रेम की भावना से भर दिया। मुख्यमंत्री साय भी नागरिकों के बीच तिरंगा लेकर आगे बढ़े। इस दौरान नागरिकों में मुख्यमंत्री के साथ चलने और राष्ट्रध्वज के सम्मान में आयोजित इस यात्रा का हिस्सा बनने को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि तिरंगा

हमारी आन, बान और शान है। यह केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, स्वाभिमान और असंख्य बलिदानों का प्रतीक है। तिरंगे में देश के 140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की अद्भुत शक्ति है। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और क्षेत्रों की विविधता के बावजूद तिरंगा हम सभी को भारतीय होने के एक साझा गौरव से जोड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तिरंगा लहराता है तो प्रत्येक भारतीय के मन में स्वाभाविक रूप से राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान का भाव जागृत होता है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और एक सशक्त राष्ट्र के रूप में भारत की यात्रा का साक्षी है। तिरंगा हमें अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का भी स्मरण कराता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान आज एक व्यापक जनअभियान का स्वरूप ले चुका है। इस अभियान ने तिरंगे को घर-घर तक पहुंचाने के साथ राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों में पूरे सम्मान और गौरव के साथ तिरंगा फहराने तथा तिरंगा यात्राओं से जुड़कर राष्ट्रीय एकता के इस उत्सव को और भव्य बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र भारत में गर्व और सम्मान के साथ जीवन जी रहे हैं, वह स्वतंत्रता हमें सहज रूप से प्राप्त नहीं हुई है। इसके पीछे लाखों देशवासियों का संघर्ष, त्याग, तपस्या और बलिदान जुड़ा हुआ है। देश के असंख्य वीर सपूतों ने मातृभूमि को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में देश के हर क्षेत्र और समाज के लोगों ने अपना योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ के वीर सपूतों ने स्वतंत्रता संग्राम में लिखी शौर्यगाथा

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों का स्मरण करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती भी वीरों, जननायकों और बलिदानियों की धरती रही है। देश की स्वतंत्रता के लिए हुए संघर्ष में छत्तीसगढ़ के अनेक वीर सपूतों ने अदम्य साहस और स्वाभिमान का परिचय दिया। मुख्यमंत्री ने शहीद वीर नारायण सिंह का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में गरीबों और जरूरतमंदों के हित में आवाज उठाई और अंग्रेजी हुकूमत के अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। उनका जीवन हमें बताता है कि राष्ट्रप्रेम के साथ जनसेवा और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी सच्ची देशभक्ति का स्वरूप है।

मुख्यमंत्री ने सुनी आम लोगों की आवाज समस्याओं के निराकरण के दिए सख्त निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय, बगिया में आम नागरिकों से भेंट-मुलाकात कर उनकी समस्याएं और मांगें सुनीं। मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे नागरिकों ने इलाज, आर्थिक सहायता, शिक्षा, रोजगार, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न विषयों से जुड़ी अपनी समस्याएं और आवश्यकताएं उनके समक्ष रखीं।

मुख्यमंत्री साय ने नागरिकों की समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर समयबद्ध तरीके से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का मूल उद्देश्य आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। जनसमस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए नागरिकों को शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि आम नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर दूर-दराज से मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय तक पहुंचते हैं, इसलिए उनके प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ में व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं, आपसी सहयोग से बढ़ेगा व्यापार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पूर्वोत्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड कम्युनिटी, दिल्ली-एनसीआर तथा छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने आज समन्वयक सुशील अग्रवाल के नेतृत्व में राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। इस दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वोत्तर तथा दिल्ली-एनसीआर के बीच व्यापारिक एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है और यहां वनोपज, कृषि एवं फार्मिंग, स्टील, चाय सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार एवं उद्योग की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा व्यापार और उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं एवं हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिए भी पूर्वोत्तर राज्यों तथा दिल्ली-एनसीआर में व्यापार एवं उद्योग के विस्तार की भी पर्याप्त संभावनाएं हैं। उन्होंने दोनों क्षेत्रों के चैंबर ऑफ कॉमर्स से आपसी समन्वय बढ़ाकर व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडलों ने आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने तथा व्यापार एवं उद्योग के नए अवसर विकसित करने के संबंध में अपने विचार साझा किए।

विकसित भारत जी-राम ग्रामीण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सरपंचों को दिया गया प्रशिक्षण

पंचायतों की क्षमता संवर्धन, सहभागी ग्रामीण विकास और योजनाओं के अभिसरण पर दिया गया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाबद्ध एवं सहभागी विकास को गति देने के उद्देश्य से जांजगीर-चांपा जिले में विकसित भारत जी-राम ग्रामीण योजना 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायतों के सरपंचों का जिला स्तरीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पंचायत प्रतिनिधियों को योजना के उद्देश्यों, प्रावधानों और ग्राम स्तर पर इसके प्रभावी क्रियान्वयन की प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में बलौदा, अकलतरा एवं बम्हनीडीह तथा द्वितीय सत्र में नवागढ़ एवं पामगढ़ जनपद पंचायतों के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों की क्षमता का संवर्धन करते हुए उन्हें ग्राम विकास की बेहतर योजना तैयार करने और योजनाओं के

प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक व्यवहारिक जानकारी उपलब्ध कराना रहा। प्रशिक्षण के दौरान ग्राम पंचायत विकास योजना, ग्रामीण आजीविका संवर्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, विभिन्न शासकीय योजनाओं के अभिसरण, वित्तीय प्रबंधन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। पंचायत प्रतिनिधियों को स्थानीय आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों और ग्रामीणों की प्राथमिकताओं के आधार पर विकास कार्यों का चयन एवं प्राथमिकता निर्धारण करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

प्रभारी सहायक परियोजना अधिकारी गौरव शुक्ला, लक्ष्मी प्रसाद राठौर एवं विवेक अग्रवाल ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से योजना के विभिन्न प्रावधानों और क्रियान्वयन से जुड़े पहलुओं की जानकारी दी। ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की बेहतर कार्ययोजना तैयार करने, उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों के सृजन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा ग्राम पंचायतों की विकास प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया गया। पंचायत प्रतिनिधियों से कहा गया कि वे स्थानीय समुदाय की सहभागिता से ग्राम विकास की योजनाएं तैयार करें और योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करें।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने हुनर से संवारी राखियों की खूबसूरती

मोती, धान-चावल, बीज और रक्तमौली धागों से तैयार राखियों में दिखा स्थानीय हुनर और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान, चावल और रक्तमौली धागों से बनी हस्तनिर्मित इको-फ्रेंडली राखियां सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बनकर आकर्षण का केंद्र बनी हैं। इन्हें स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों और छात्रों द्वारा विशेष कलात्मकता के साथ तैयार किया जा रहा है।

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के हुनर और रचनात्मकता को नई पहचान मिल रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ी स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा स्थानीय एवं प्राकृतिक सामग्री से तैयार की गई हस्तनिर्मित राखियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

हस्तनिर्मित इको-फ्रेंडली इन राखियों में मोती, नग, धान-चावल, रक्तमौली धागों के साथ विभिन्न प्रकार के बीजों का उपयोग किया गया है, जो स्थानीय कला, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम प्रस्तुत करती हैं।

जांजगीर-चांपा जिले के कलेक्टोरेट परिसर में बिहान की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार राखियों की विशेष बिक्री एवं प्रदर्शनी के लिए स्टॉल लगाया गया। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने स्टॉल का अवलोकन किया और महिलाओं से संवाद कर उनके द्वारा तैयार हस्तनिर्मित राखियां खरीदीं। उन्होंने महिलाओं की रचनात्मकता, मेहनत और हुनर की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। कलेक्टर जांजगीर-चांपा ने कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अपने पारंपरिक हुनर को आजीविका से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं।

पर्व के साथ महिलाओं की आजीविका को भी मिला अवसर

बिहान से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों ने बताया कि रक्षाबंधन जैसे पर्वों के लिए हस्तनिर्मित राखियां तैयार करने और उनकी बिक्री से उन्हें अतिरिक्त आय का अवसर मिल रहा है। त्योहार आधारित उत्पादों के निर्माण से महिलाओं को अपने हुनर को बाजार तक पहुंचाने और उसकी आर्थिक उपयोगिता बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में भी मदद मिल रही है। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं अब पारंपरिक कौशल को छोटे उद्यम और आजीविका के साधन में बदल रही हैं। हस्तनिर्मित राखियों की यह पहल महिला सशक्तिकरण, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ आगे बढ़ाने का उदाहरण बन रही है।

मुसाफिर कैफे के ऑडिशन में रिजेक्ट हुई थीं वेदिका पिंटो, फिर ऐसे मिला सुधा का रोल

हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। सीरीज में कहानी से लेकर स्टारकास्ट की परफॉर्मेंस तक की जमकर तारीफ हो रही है। खासकर वेदिका पिंटो ने अपने किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचा है और उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया जा रहा है। लेकिन हाल ही में वेदिका ने बताया कि मेकर्स को उनका ऑडिशन पसंद नहीं था। आइए जानते हैं बाद में उन्हें सुधा का किरदार कैसे मिला।

वेदिका पिंटो ने खुलासा किया कि मेकर्स को उनका ऑडिशन पसंद नहीं आया था। वेदिका पिंटो ने बातचीत में कहा, मेरा पहला ऑडिशन मेकर्स को पसंद नहीं आया था।

एक्ट्रेस ने कहा, मेरे कास्टिंग डायरेक्टर करण मेल्ही, जो मेरे दोस्त भी हैं, उन्होंने मुझे फोन करके बताया कि वेदिका, उन्हें तुम्हारा ऑडिशन पसंद नहीं आया, लेकिन उसमें उन्हें सुधा की एक झलक जरूर दिखाई दी। इसलिए वे तुम्हारा एक और टेस्ट लेना चाहते हैं। फिर मुझे कास्ट किया गया।

बता दें, वेदिका पिंटो सोशल मीडिया पर इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। दर्शकों ने उनकी एक्टिंग को खूब सराहा. वेदिका पिंटो ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और म्यूजिक वीडियो से की। साल 2019 में आए ऋत्विज के सुपरहिट गाने लिग्गी ने उन्हें खास पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों में अभिनय की शुरुआत की. साल 2022 में नीरज पांडे द्वारा निर्मित थ्रिलर फिल्म ऑपरेशन रोमियो से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद साल 2023 में आई फिल्म गुमराह में आदित्य रॉय कपूर के साथ अभिनय किया।

सीरीज मुसाफिर कैफे की बात करें तो इसमें वेदिका पिंटो के अवाला, विक्रांत मैसी और महिमा मकवाना लीड रोल में हैं। ये सीरीज 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसकी कहानी चंदर (विक्रांत मैसी), सुधा (वेदिका पिंटो) और प्रीति (महिमा मकवाना) के इर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज प्यार, करियर के फैसले और अधूरे सपनों के जज्बात को बयां करती है। दर्शक अब इसके पार्ट 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मेकर्स ने जारी किए 'मिर्जापुर द मूवी' के नए पोस्टर, एक्शन अंदाज में दिखे पकंज त्रिपाठी समेत ये कलाकार

जल्द ही पंकज त्रिपाठी अभिनीत फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' का ट्रेलर रिलीज होगा। इससे पहले मेकर्स ने इसके कुछ पोस्टर साझा किए हैं, जिनमें पंकज त्रिपाठी के अलावा तीन अन्य कलाकार दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' के नए पोस्टर में गुड्डू पंडित के रोल में अली फजल और बबलू पंडित के किरदार में जितेंद्र कुमार दिखाई दे रहे हैं। वहीं कालीन भैया के रोल में पंकज त्रिपाठी और दिव्यंदु मुन्ना भैया के रोल में नजर आ रहे हैं। यह पोस्टर फिल्म के ट्रेलर रिलीज से दो दिन पहले मेकर्स ने जारी किए हैं। इस फिल्म का ट्रेलर 11 अगस्त को रिलीज होगा।

एक्शन अंदाज में दिखे कलाकार

इस फिल्म में कई जाने-पहचाने किरदारों की वापसी हो रही है। यह कहानी चर्चित सीरीज से बड़े पर्दे पर आ रही है। जितेंद्र कुमार 'बबलू पंडित' का किरदार निभा रहे हैं, जिसे पहले सीरीज में विक्रांत मैसी ने निभाया था। वह पोस्टर में बंदूक लिए नजर आ रहे हैं। वहीं अली फजल 'गुड्डू पंडित' के रोल में दिख रहे हैं, जिनके हाथ में भी गन है। दोनों का यह अंदाज फैंस का पसंद आया है।

कब रिलीज होगी फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी'?

फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' 4 सितंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह हिंदी और तेलुगु भाषा में भी रिलीज होगी। इसमें रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस. चौहान, अनंग्शा बिस्वास, शाजी चौधरी, सतेन्द्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह भी नजर आएंगे।

कौन है फिल्म का निर्देशक?

गुरमीत सिंह द्वारा यह फिल्म निर्देशित की गई है। वहीं पुनीत कृष्णा इसके लेखक हैं। इसे रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी को-प्रोड्यूसर हैं।

इन दिनों क्या कर रही हैं अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत? ऑफ शोल्डर ड्रेस में तस्वीरें शेयर कर दी जानकारी

'कांतारा चैप्टर 1' फेम अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत ने सोशल मीडिया पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। फैंस इसे पसंद कर रहे हैं। साउथ की चर्चित अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेचर चर्चा में हैं। बीते कल इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है। ट्रेलर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं।

रुक्मिणी की पोस्ट में क्या है?

तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने क्रीम रंग के ऑफशोल्डर गाउन में तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह आसमान देख रही हैं। उन्होंने बहुत हल्की सिल्वर कलर की ज्वैलरी पहनी है। उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा है। उनके इस स्टाइल के पीछे आस्था शर्मा और मुस्कान मट्टा का हाथ है।

यूजर्स ने की अभिनेत्री की तारीफ

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा ''टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हूं।' तस्वीरों पर फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने उन्होंने सबसे प्यारी गुड़िया कहा है। वहीं एक दूसरे यूजर ने उन्हें सुंदरी कहा है।

क्या है रुक्मिणी का किरदार?

आपको बता दें कि रुक्मिणी वसंत 'टॉक्सिक' में मेलिसा का किरदार निभा रही हैं। कल रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा, तारा सुतारिया और यश की झलक दिखी है। ट्रेलर काफी हिंसक है।

फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे।

शो 'लॉकअप 2' फेम शिवांगी जोशी ने करवाया कॉस्मेटिक प्रोसिजर?

रियलिटी शो 'लॉकअप 2' में टीवी अभिनेत्री शिवांगी जोशी बीते दिनों नजर आईं। इस शो में देखकर उनकी खूबसूरती की फैंस ने खूब तारीफ की। लेकिन अब सोशल मीडिया पर एक दावा वायरल हो रहा है, जो उनकी ब्यूटी को लेकर अलग ही बात बता रहा है।

शिवांगी जोशी को हिंदी टीवी सीरियल की दुनिया में सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक माना जाता है। शो 'लॉकअप 2' में भी उनकी खूबसूरती ने फैंस का ध्यान अपनी तरफखींचा था। यह शो अब खत्म हो चुका है। इसी बीच इंस्टाग्राम पर एक सर्टिफाइड कॉस्मेटोलॉजिस्ट ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें शिवांगी जोशी की खूबसूरती को लेकर चौंकाने दावे किए हैं।

क्या नेचुरल नहीं है शिवांगी जोशी की ब्यूटी?

एक सर्टिफाइड कॉस्मेटोलॉजिस्ट प्रियंका वाधवानी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शिवांगी जोशी से जुड़ा वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह अभिनेत्री की नई और पुरानी तस्वीरों की तुलना कर रही हैं। शिवांगी ने क्या-क्या कॉस्मेटिक प्रोसिजर करवाए हैं, इस बारे में कॉस्मेटोलॉजिस्ट बता रही हैं। इन दावों से लगता है कि शिवांगी की ब्यूटी पूरी तरह से नेचुरल नहीं है।

कौन से सीरियल्स से हिट हुई थीं शिवांगी?

शिवांगी जोशी टीवी की दुनिया में चर्चित नाम हैं। उन्हें फेम 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल से मिला। इसके अलावा भी वह कई टीवी सीरियल में लीड रोल निभाती नजर आईं। हर्षद चोपड़ा के साथ 'बड़े अच्छे लगते हैं' सीरियल में भी वह नजर आई, इसमें उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया था।

बालों के झड़ने की समस्या से राहत दिलाने में सहायक है प्रायरिन, जानिए इससे जुड़े भ्रम

बालों का झड़ना एक आम समस्या है, जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को प्रभावित करती है। इस समस्या के समाधान के लिए बाजार में कई उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनमें से एक है प्रायरिन। यह एक विटामिन और खनिज पूरक है, जिसे बालों की सेहत सुधारने के लिए बनाया गया है। आइए आज हम आपको प्रायरिन से जुड़ी कई भ्रांतियों के बारे में विस्तार से बताते हैं, ताकि आप इस पूरक का सही उपयोग कर सकें।

क्या सच में बालों को तेजी से बढ़ाता है प्रायरिन?

प्रायरिन के बारे में सबसे बड़ी भ्रांति यह है कि यह तुरंत बालों की लंबाई बढ़ाता है। सच यह है कि किसी भी पूरक के परिणाम तुरंत नहीं दिखाई दे सकते हैं।

प्रायरिन में मौजूद विटामिन और खनिज बालों की जड़ों को मजबूत करते हैं और उन्हें स्वस्थ रखते हैं, लेकिन इसका असर धीरे-धीरे दिखाई देता है। नियमित उपयोग से ही आपको इसके फायदे मिलेंगे और विशेषज्ञ की सलाह से ही सही इस्तेमाल किया जा सकेगा।

पुरुषों और महिलाओं के लिए समान रूप से फायदेमंद है प्रायरिन?

कुछ लोग मानते हैं कि प्रायरिन केवल पुरुषों के लिए ही फायदेमंद होता है, जबकि महिलाओं के लिए इसका कोई असर नहीं होता।

यह पूरी तरह से गलत धारणा है। प्रायरिन दोनों के लिए समान रूप से फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन और खनिज महिलाओं के बालों की भी सेहत सुधार सकते हैं।

इसलिए, इसे लेने से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही और जरूरी जानकारी मिल सके।

क्या प्रायरिन खाने से रोक सकते हैं बालों का झड़ना?

प्रायरिन खाने से बालों का झड़ना रोकने में मदद मिलती है, लेकिन यह अकेले ही पूरी समस्या का समाधान नहीं कर सकता।

इसके साथ-साथ सही खान-पान, नियमित व्यायाम और उचित देखभाल भी जरूरी होती है। प्रायरिन में बायोटिन, जिंक और विटामिन जैसे तत्व होते हैं, जो बालों की सेहत के लिए अहम होते हैं।

हालांकि, इन्हें अन्य उपायों के साथ मिलाकर ही प्रभावी बनाया जा सकता है। इसलिए, इसे एक संतुलित आहार और जीवनशैली के साथ लेना चाहिए।

प्रायरिन का सेवन बिना डॉक्टर की सलाह के करना है सुरक्षित?

किसी भी पूरक का सेवन बिना डॉक्टर की सलाह के करना सुरक्षित नहीं माना जाता। प्रायरिन भी एक ऐसा ही उत्पाद है, जिसे लेने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी होता है।

डॉक्टर आपकी स्थिति और जरूरतों के अनुसार ही इसे लेने की सलाह देंगे।

इस तरह की सावधानी बरतना हमेशा बेहतर होता है, ताकि आपको किसी तरह की समस्या न हो और आप इसका सही तरीके से उपयोग कर सकें।

खास-खबर

नशामुक्त युवा, विकसित भारत की पहचानः विद्यार्थियों ने लिया सामूहिक संकल्प

रायपुर। प्रधानमंत्री के आह्वान एवं भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत माय भारत द्वारा संचालित 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान के तहत प्रदेशभर में युवाओं और विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखने के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में बलरामपुर-रामानुजगंज जिला के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, सेमरा, विकासखंड कुसमी में वृहद नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनी निकुंज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उनके साथ जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशे से स्वयं दूर रहने, अपने परिवार और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का सामूहिक संकल्प लिया।

एलसीडीसी एवं मलेरिया सर्वेक्षण का जिला स्तरीय निरीक्षण

रायपुर। राज्य कार्यालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला महासमुंद में संचालित एलसीडीसी एवं मलेरिया सर्वेक्षण की प्रगति एवं गुणवत्ता का जिला स्तरीय निरीक्षण किया गया। जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. वी. पी. सिंह द्वारा विकासखंड बसना के ग्राम घानापाली एवं संतपाली में संचालित सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान घर-घर भ्रमण, संदिग्ध कुष्ठ रोगियों की पहचान, एलसीडीसी ऑनलाइन एंट्री, फील्ड गतिविधियों तथा सर्वेक्षण की गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया गया। डॉ. सिंह ने सर्वे दलों को निर्देशित किया कि प्रत्येक घर तक पहुंचकर निर्धारित प्रपत्रों के अनुसार सर्वेक्षण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ किया जाए।

जांजगीर-चांपा में स्वच्छता अभियान को मिल रही नई गति

रायपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत जांजगीर-चांपा जिले में स्वच्छता को जनभागीदारी और व्यवहार परिवर्तन से जोड़ते हुए ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जा रही है। गांवों में अब केवल सफाई अभियान चलाने के बजाय कचरे के स्रोत स्तर पर पृथक्करण, घर-घर नियमित संग्रहण, वैज्ञानिक निपटान और प्लास्टिक मुक्त वातावरण तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में 15 अगस्त 2026 तक जिले की प्रत्येक जनपद पंचायत से एक ग्राम पंचायत को 100 प्रतिशत कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता गतिविधियों से जोड़कर मॉडल स्वच्छता ग्राम के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। पंचायतों को इस व्यवस्था से कवर किया जाएगा।

राजनांदगांव में 43.61 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राजनांदगांव शहर में 43 करोड़ 61 लाख 26 हजार रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 15 करोड़ 92 लाख रूपए की लागत से प्रदेश के सबसे बड़े 2000 सीटर ऑडिटोरियम का निर्माण प्रमुख रूप से शामिल है।

इसके साथ ही शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, विद्युतीकरण, पेयजल, मुक्तिधाम उन्नयन एवं सामुदायिक भवन सहित विभिन्न अधोसंरचना विकास कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम में 15वें वित्त आयोग 12 करोड़ 9 लाख 44 हजार रुपए की लागत से विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली एवं विद्युतीकरण के कार्य किए जाएंगे। अधोसंरचना मद से 11 करोड़ 57 लाख रूपए की लागत से सड़क, नाली, मुक्तिधाम उन्नयन एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य होंगे। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत 1 करोड़ रुपए की लागत से 4 वार्डों में सड़क, नाली एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य तथा 15वें वित्त आयोग से 3 करोड़ 2 लाख 82 हजार रुपए की लागत से विभिन्न वार्डों में पाइपलाइन विस्तार के कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम में 1000 पौधों का वितरण भी किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजनांदगांव में बनने वाला 2000 सीटर ऑडिटोरियम शहर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। ऑडिटोरियम में बड़े आयोजनों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही पार्किंग, कॉरिडोर तथा लगभग एक हजार लोगों के एक साथ बैठकर भोजन करने की व्यवस्था भी होगी। यह ऑडिटोरियम राजनांदगांव सहित आसपास के नगरीय क्षेत्रों के लिए भी बड़े आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, सीसी रोड, इंटरलॉकिंग, प्रकाश व्यवस्था और पाइपलाइन विस्तार सहित 43 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राजनांदगांव के सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिली है। जनप्रतिनिधियों द्वारा रखी जा रही मांगों और प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृति प्रदान की जा रही है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि आज राजनांदगांव शहर के लिए ऐतिहासिक दिन है। शहर को 43 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पिछले दो वर्षों में राजनांदगांव नगर निगम को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 267 करोड़ रूपए की राशि विकास कार्यों के लिए प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने राजनांदगांववासियों से शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि नागरिक और नगर निगम मिलकर प्रयास करें तो राजनांदगांव स्वच्छता के क्षेत्र में देश में पहला स्थान प्राप्त कर सकता है। उप मुख्यमंत्री साव ने राजनांदगांव शहर के लिए कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की बात कही। उन्होंने बताया कि गांधी चौक, पोस्ट ऑफिस चौक, नंदई चौक सहित अन्य प्रमुख चौकों के सौंदर्यीकरण के लिए लगभग 3 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रक्रियाधीन है।

उन्होंने रानी सागर एवं बूढ़ा सागर तालाब के पुनर्विकास के लिए 14 करोड़ रूपए की योजना तैयार किए जाने की जानकारी दी। जीई रोड से लखोली कबाड़ी दुकान तक सड़क चौड़ीकरण के लिए 6 करोड़ 85 लाख रूपए, आरके नगर चौक से डोंगरगांव रोड तक सड़क निर्माण के लिए 6 करोड़ 90 लाख रूपए तथा बायपास कन्हारपुरी से तिरंगा चौक तक सड़क चौड़ीकरण के लिए 5 करोड़ 50 लाख रूपए की स्वीकृति शीघ्र प्रदान करने की बात कही।

राखी निर्माण से आत्मनिर्भर बन रहीं सढ़ौली की महिलाएं प्राकृतिक सामग्री से तैयार कर रहीं आकर्षक राखियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गरियाबंद जिले के ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं और बेटियां अब पारंपरिक खेती-किसानी के साथ-साथ अपनी रचनात्मकता और हुनर को आय का जरिया बना रही हैं। जिले के ग्राम सढ़ौली की बेटियां एवं दीदियां रुरल सेल्फएम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (आरसेटी) से प्रशिक्षण लेकर राखी निर्माण का कार्य कर रही हैं।

खेतों में कामकाज के बाद प्रतिदिन 2 से 3 घंटे समय निकालकर वे आकर्षक और पारंपरिक राखियां तैयार कर रही हैं। जिससे उन्हें अतिरिक्त आय का अवसर मिल रहा है। इन महिलाओं द्वारा धान, सेमी, मूंगा, मटर, झुर्गा बीज, रहर दाल और चावल जैसी स्थानीय एवं प्राकृतिक सामग्री का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार की जा रही हैं। इसके साथ ही राजधानी रायपुर एवं दुर्ग से कच्चा माल मंगाकर धागे, स्टोन, सजावटी मोतियों और फैब्रिग्लू की सहायता से भी विभिन्न डिजाइन की राखियां बनाई जा रही हैं।

राखी निर्माण से जुड़ी गुंजा ध्रुव, भोजेश्वरी ध्रुव, योगिता कश्यप, मोनिका कश्यप, लिलेश्वरी कश्यप, कांति कश्यप, सरिता ध्रुव, चमेली ध्रुव, अनुरूपा साहू और जयंती पटेल सहित अन्य सदस्य इस कार्य में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। महिलाओं ने राखियों को आकर्षक रेडीमेड डिब्बों में स्वयं पैक करने की व्यवस्था भी की है। इससे उत्पाद को बेहतर रूप देने के साथ बाजार में विक्रय करेंगी।

इन महिलाओं द्वारा खेती-किसानी और घरेलू कार्यों के बीच अपने खाली समय का सदुपयोग करते हुए प्रतिदिन अपना 2 से 3 घंटे का समय राखी निर्माण में लगा रही हैं। इस छोटे से प्रयास से वे अपनी मेहनत और हुनर को आर्थिक गतिविधि से जोड़कर अतिरिक्त आय अर्जित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। सढ़ौली की इन महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों, प्रशिक्षण और मेहनत के सहारे गांव की महिलाएं अपने हुनर को स्वरोजगार में बदल रही हैं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने सुनीं महिलाओं की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने आज रायपुर स्थित आयोग कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में महिलाओं से जुड़े विभिन्न मामलों की सुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान महिला उत्पीड़न, पारिवारिक विवाद, भरण-पोषण, घरेलू हिंसा तथा कार्यस्थल पर शोषण से संबंधित कुल 32 प्रकरणों पर विचार किया गया, जिनमें कई मामलों में दोनों पक्षों की उपस्थिति दर्ज हुई। इस अवसर पर आयोग की सदस्यगण श्रीमती सरला कोसरिया , श्रीमती ओजस्वी मंडावी एवं सुश्री दीपिका सोरी भी उपस्थित रहीं।

डॉ. ममता साहू ने सुनवाई के दौरान महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निराकरण पर जोर दिया। आयोग की समझाइश से एक प्रकरण में 1500 रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण राशि देने पर सहमति बनी, जिससे संबंधित महिला को राहत मिली।

कार्यस्थल पर महिलाओं के आर्थिक शोषण से जुड़े मामलों को भी आयोग ने गंभीरता से लिया। इस संबंध में डॉ. साहू ने संबंधित महिलाओं को एफ्आईआर दर्ज कराने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिक और सेवा क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

विधायक उसेंडी ने बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर कोण्डागांव जिलेभर में बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाने का अभियान आयोजित किया गया। इसी क्रम में डीएव्ही स्कूल देवखरगांव में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी द्वारा स्कूली बच्चों को स्वयं एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक सुश्री लता उसेंडी ने बच्चों को नियमित रूप से कृमिनाशक दवा लेने, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने तथा हाथों को साबुन से धोने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर ही बच्चों के बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास की नींव है। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस जैसे अभियान बच्चों को स्वस्थ रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बच्चों को कृमि संक्रमण से होने वाले दुष्प्रभावों, जैसे कमजोरी, खून की कमी, भूख में कमी तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास पर पड़ने वाले प्रभावों के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में बच्चों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई।

भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा ही बदलती तकनीक के दौर में पत्रकारिता का असली आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग और कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (केटीयू), रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्य अउ पत्रकारिता: आज के चुनौती-कली बर दिशा विषय पर एकदिवसीय परिचर्चा गोष्ठी का सफ्ल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ विचारकों, पत्रकारों और शिक्षाविदों ने भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और आधुनिक जनसंचार माध्यमों के अंतरसंबंधों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम की शुरुआत में राजभाषा आयोग की सचिव डॉ. अभिलाषा बेहार ने स्वागत भाषण देते हुए आयोग की कार्यप्रणाली और भावी योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया।

मुख्य वक्ता एवं विचारक प्रवीण गुगनानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ी संस्कृति भारत की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्कृति के बिना भारत की कल्पना असंभव है और एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के दौर में भी अपनी सांस्कृतिक पहचान को बचाए रखना सबसे बड़ी जरूरत है। न्यूज़-24 के एडिटोरियल डायरेक्टर मनोज सिंह बघेल ने बदलती तकनीक पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के बीच नई पीढ़ी के पत्रकारों के सामने सत्यता और विश्वसनीयता बनाए रखने की बड़ी चुनौती है।

राष्ट्रवादी विचारक ललित शर्मा ने जनसामान्य से संवाद की भाषा में समाचार लेखन की वकालत की। उन्होंने कहा कि सत्य, लोकमंगल और विश्वसनीयता ही पत्रकारिता के तीन प्रमुख आधार स्तम्भ हैं।

डॉ. रमन सिंह और अरुण साव ने 25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राजनांदगांव के दिग्विजय स्टेडियम में जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित 25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 9 अगस्त से 13 अगस्त 2026 तक आयोजित की जा रही है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनांदगांव में प्रदेश स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाएं। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, जूडो, कराटे और कुश्ती सहित विभिन्न खेलों में यहां के खिलाड़ी लगातार आगे बढ़ रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि राजनांदगांव को खेल नगरी के रूप में और अधिक विकसित करने के लिए खेल अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। खिलाड़ियों की आवश्यकता के अनुरूप मैदान, कोर्ट, प्रशिक्षण सुविधाएं और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर राशि का प्रावधान किया गया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, कोचिंग और प्रशिक्षकों के विशेष प्रशिक्षण के साथ-साथ खेल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि राजनांदगांव के बच्चे भी खेलों के प्रति उत्साह के साथ मैदानों में पहुंच रहे हैं। सुबह बड़ी संख्या में बच्चे हॉकी, फुटबॉल और क्रिकेट सहित विभिन्न खेलों का अभ्यास करते दिखाई देते हैं। यह राजनांदगांव की खेल संस्कृति और यहां की प्रतिभाओं की मजबूत नींव को दर्शाता है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे अनुशासन, निरंतर अभ्यास और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राजनांदगांव के खिलाड़ी प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सभी खिलाड़ियों और आयोजकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि राजनांदगांव संस्कारधानी के साथ-साथ अब खेलों की राजधानी के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। ज्ञानेश्वरी यादव जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने विश्व स्तर पर राजनांदगांव का नाम रोशन किया है और जिले में ऐसी अनेक खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संदेश जो खेलेगा, वही खिलेगा को आत्मसात करते हुए खिलाड़ी पूरी लगन और मेहनत के साथ खेलें, आगे बढ़ें और देश का नाम रोशन करें।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रदेश में सरकार बनने के बाद खेल और खिलाड़ियों की तरक्की एवं बेहतरी के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों की लंबित घोषणा को पूरा करते हुए इस वर्ष 156 खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किया गया है, जो सरकार की खेलों और खिलाड़ियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल अधोसंरचना के विकास के साथ विभिन्न खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार बड़े आयोजन किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है, जिसका उपयोग खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण और खिलाड़ियों की सुविधाओं के विकास के लिए किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी दीदियों ने सरहद पर तैनात जवानों को भेजे 2055 रक्षा सूत्र

रायपुर। हमारे जवान अपनी जान की परवाह किए बिना, हर परिस्थिति में देश की रक्षा में तत्पर रहते हैं। चाहे बर्फीले पहाड़ हों या सागर की गहराई, हर मोर्चे पर वे बिना किसी डर के अपनी ड्यूटी निभाते हैं। उनका हर कदम, उनका हर संघर्ष, उनके अदम्य साहस और ताकत का प्रतीक है। वे अपनी जान को खतरे में डालकर हमारे लिए सीमा पर खड़े रहते हैं, ताकि हम अपनी जिंदगी खुशी-खुशी जी सकें। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर सुकमा जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने देश की सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए स्नेह और सम्मान का अनूठा संदेश भेजा है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower, Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca AJAY
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

बीएसपी लोहा चोरी केस में पूर्व जीएम को मिली जमानत

भिलाई। बीएसपी के ब्लास्ट फर्नेस से 250 टन लोहा चोरी और फ्लू डस्ट के अवैध परिवहन के मामले में पूर्व जीएम हिमांशु भूषण मलिक को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने 10 अगस्त को मलिक की पहली जमानत याचिका मंजूर कर दी। पुरानी भिलाई पुलिस ने उन्हें 9 जुलाई को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वे जेल में थे। यह मामला पुरानी भिलाई थाने में दर्ज है। मामला ब्लास्ट फर्नेस विभाग से फ्लू डस्ट के अवैध परिवहन और स्क्रैप चोरी से जुड़ा है। पुलिस की शुरुआती जांच में दो ट्रकों (सीजी-04-क्यूटी-8797) और (सीजी-08-एडब्ल्यू-1475) से बीएसपी के ब्लास्ट फर्नेस विभाग से फ्लू डस्ट ले जाने की शिकायत सामने आई थी।

नकली पुलिस बनकर दो ने रिटायर्ड कर्मी को ठग लिया

कोरबा। निहारिका इलाके में नकली पुलिस बनकर दो ठगों ने बुजुर्ग खरमोरा निवासी समीर चट्टोपाध्याय को ठग लिया। वे नारियल पानी पीकर घर लौट रहे थे। तभी बाइक पर आरोपी पहुंचे। आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया और गांजा रखने की बात कहकर उन्हें डराया। कागजात पर हस्ताक्षर करवाने के बहाने उनकी सोने की चेन और अंगूठी निकाल ली। फिर असली गहनों की जगह नकली गहने थमाकर फरार हो गए। घटना की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक ही फंदे पर लटके मिले पति-पत्नी, कारण अज्ञात

बिलासपुर। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के नयापारा इलाके में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक किराए के मकान में पति-पत्नी के शव एक ही फंदे पर लटके मिले। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, मृतक दंपति नयापारा क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहे थे। देर रात दोनों के शव घर के अंदर फंदे पर लटके मिले। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद सिरगिट्टी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। इस कदम के पीछे पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है। मृतक पति-पत्नी मूल रूप से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के रहने वाले थे और रोजगार के सिलसिले में बिलासपुर में रह रहे थे।

शिक्षा विभाग ने रिश्वतखोर बाबू को किया बर्खास्त

बलरामपुर। भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाए गए सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी गौतम सिंह आयम पर शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा 13 अगस्त 2024 को 12 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किए गए गौतम सिंह आयम को अब जिला शिक्षा अधिकारी ने शासकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया है। गौतम सिंह आयम सहायक ग्रेड-2 के पद पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय वाड्रफनगर में संलग्न थे। उनकी मूल पदस्थापना शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इंजानी, विकासखंड वाड्रफनगर में थी। आदेश के अनुसार, 13 अगस्त 2024 को एंटी करप्शन ब्यूरो रायपुर ने उन्हें 12 हजार रुपये की रिश्वत राशि स्वीकार करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल रामानुजगंज भेज दिया गया था। शासकीय सेवक के 48 घंटे से अधिक समय तक न्यायिक अभिरक्षा में रहने के कारण गौतम सिंह को पहले ही निलंबित कर दिया गया था।

छत्तीसगढ़ में धड़ल्ले से जारी है 'पोचिंग', तेंदुए की खाल के साथ वनविभाग ने तीन को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अवैध शिकार के मामले थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। वन्यजीवों की हत्या कर उनकी खाल, सींग और मांस बेचने के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। 2024 से लेकर अब तक कम से कम पांच बाघों-तेंदुओं का शिकार किया जा चुका है। हाल ही में एक और ऐसा ही मामला प्रकाश में आया है।

नारायणपुर जिले के धौड़ाई परिक्षेत्र में वन विभाग की टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक तेंदुए की खाल और दो मोटरसाइकिल जब्त की गई हैं।

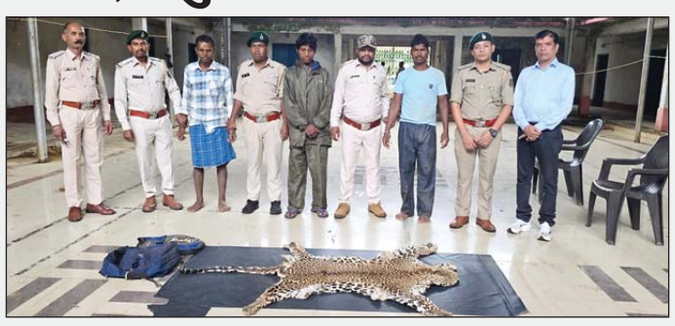

वनमंडलाधिकारी के निर्देशन में धौड़ाई परिक्षेत्र के वन अधिकारियों और कर्मचारियों ने 8 अगस्त 2026 को गश्त के दौरान गायतापारा सड़क किनारे तीन व्यक्तियों को दो मोटरसाइकिलों से तेंदुए की खाल ले जाते हुए पकड़ा। वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन क्रमांक सीजी-21/जे-4096 और सीजी-21/जे-0920 सहित तेंदुए की खाल जब्त कर ली। जब्त की गई तेंदुए की खाल की लंबाई 184 सेंटीमीटर, सामने के दोनों पैरों के बीच की लंबाई 125 सेंटीमीटर, पीछे के दोनों पैरों के बीच की लंबाई 118 सेंटीमीटर तथा पेट की चौड़ाई 55 सेंटीमीटर पाई गई।

गिरफ्तार आरोपियों में सोनूराम कचलाम (39 वर्ष), निवासी ग्राम रोहताड़, छोटेडोंगर, पुनीत कुमार बघेल (32 वर्ष), निवासी ग्राम छोटेडोंगर (डुरकाडोंगरी) और जमधर पोटाई (50 वर्ष), निवासी ग्राम तारागांव, धौड़ाई शामिल हैं। तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पार्षद पुत्र ने नाबालिग को 'ऑनलाइन बेटिंग' में फंसाया, वसूली के लिए करवाई मामा के घर चोरी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। पुलिस ने एक पार्षद पुत्र को एक नाबालिग को ऑनलाइन बेटिंग में फंसाकर अपने मामा के घर चोरी करने के लिए उकसाने के आरोप में हिरासत में लिया है। नाबालिग ने दबाव में आकर अपने मामा के घर से लगभग 2 लाख रुपए के जेवर चुराकर उसे सौंपे थे।

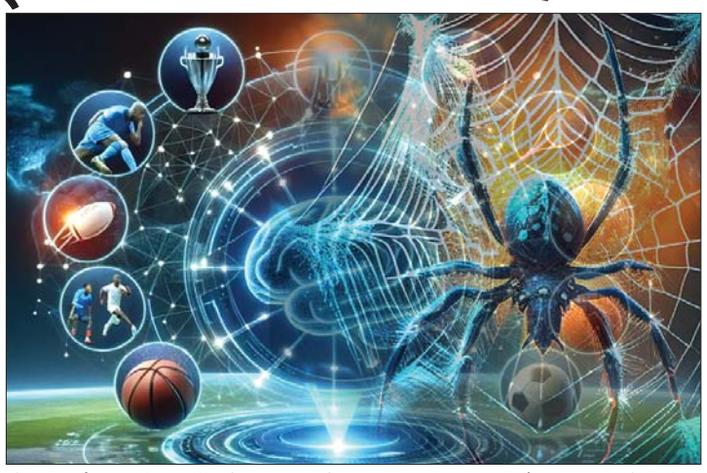

जानकारी के मुताबिक स्मृति नगर पुलिस ने वार्ड- 6 के पार्षद रविशंकर कुर्रे के बेटे अनुराग कुर्रे (32) को कस्टडी में लिया है। अनुराग पर एक नाबालिग को ऑनलाइन बेटिंग एप पर पैसे लगाने की आदत डालने का आरोप है।

पुलिस के मुताबिक, दुर्गानगर जुनवानी रोड निवासी मोहम्मद मोहसीन खान (32) ने 9 अगस्त को स्मृतिनगर चौकी में लिखित शिकायत दर्ज कराई। मोहसिन ने बताया कि उनके नाबालिग भांजे मो. अतीफ से अनुराग की पहचान एक दोस्त के जरिए हुई थी।

आरोप लगाया गया है कि अनुराग ने नाबालिग को ऑनलाइन बेटिंग एप पर पैसे लगाने की आदत डलवाई थी। मोहसीन के मुताबिक, पिछले 2-3 महीने से नाबालिग अनुराग के कहने पर ऑनलाइन बेटिंग में पैसे लगा रहा था। जब उसपर काफी पैसा चढ़ गया तो अनुराग ने उसे किसी भी कीमत पर चुकतारा करने के लिए दबाव बनाया। उसने उसे मारने पीटने तक की धमकी दी। इसके बाद उसीने उसे मामा के घर पर चोरी करने के लिए उकसाया।

आरोपों के आधार पर पुलिस अब नाबालिग से भी पूछताछ कर मामले की जानकारी जुटा रही है। साथ ही चोरी किए गए सोने के जेवर कहां दिए गए, इसका भी पता लगाया जा रहा है। इसके अलावा अनुराग कुर्रे और उसके साथी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मामले में नाबालिग की मां शाहीन परवीन ने भी स्मृतिनगर चौकी में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक नाबालिग ने घर से एक जोड़ी सोने के कंगन, एक मंगलसूत्र और दो सोने की अंगूठियां चोरी कर अनुराग कुर्रे को दे दी थीं। इन जेवरों की कीमत करीब 1 लाख रुपए बताई गई है।

आरोप है कि जेवर लेने के बदले अनुराग ने नाबालिग को कुछ पैसे दिए और उसे ऑनलाइन बेटिंग एप पर पैसे लगाने की आदत डाल दी। मां ने शिकायत में बताया है कि पिछले 2-3 महीनों से उसका बेटा अनुराग के कहने पर यह काम कर रहा था।

स्मृतिनगर चौकी पुलिस ने अनुराग कुर्रे को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस चोरी किए गए सोने के जेवर बरामद करने के साथ ही मामले में शामिल दूसरे व्यक्ति की भूमिका की भी जांच कर रही है।

इसके अलावा नाबालिग को ऑनलाइन बेटिंग एप से जोड़ने और पिछले 2-3 महीनों में हुए लेन-देन की जानकारी भी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मामले की जांच जारी है। पूछताछ और जांच में सामने आने वाले तथ्यों और सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। एफआईआर में लगाए गए आरोपों की भी पुलिस जांच कर रही है।

सार संक्षेप

चार साल तक नाबालिग भांजी से रेप करता रहा मामा

रायगढ़। छाल थाना क्षेत्र की एक युवती ने अपने मामा पर लगातार चार साल तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। युवती ने बताया कि पहली बार मामा ने 25 दिसम्बर 2022 को उसके साथ दुष्कर्म किया। तब वह नाबालिग थी। इसके बाद भी वह लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। डर के कारण लंबे समय तक उसने परिवार के किसी सदस्य को इसकी जानकारी नहीं दी। जब वह पढ़ाई के लिए रायपुर गई तब आरोपी वहां भी पहुंच गया और होटल ले जाकर उससे दुष्कर्म करता रहा। कुछ दिन पहले तबीयत खराब होने पर परिजन उसे डॉक्टर के पास लेकर गए। पीड़िता ने डॉक्टर को अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। डॉक्टर ने इसकी जानकारी परिजनों को दी, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। परिजनों की शिकायत पर छाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 64(2)(एम) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया है और उसके बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

पुलगांव गुरुद्वारे के पास बेच रहा था नशीली गोलियां

दुर्ग। पुलगांव में पुलिस ने नशीली टैबलेट बेचने के आरोप में मयंक साहू (22) को गिरफ्तार किया है। आरोपी शिवनाथ नदी किनारे गुरुद्वारा के सामने बाइक से नशीली टैबलेट बेच रहा था। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से नाइट्राजेपम की 180 टैबलेट, 510 रुपए नकद, मोबाइल फोन और बाइक बरामद हुई है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 39 हजार 950 रुपए बताई गई है। बताया जा रहा है कि युवक सप्ताह के अलग-अलग दिनों में अलग-अलग स्थानों पर नशीली गोलियों के साथ खड़ा होता था।

सोना चुराकर भागा था आभूषण कारीगर, धरा गया

रायपुर। 60 ग्राम कच्चा सोना चोरी के मामले में गोलबाजार पुलिस ने करीब 7 महीने बाद आरोपी को जोधपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 40 ग्राम कच्चा सोना और मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक, शंकर नगर क्षेत्र में नंदकिशोर सोनी की एलजी डाई कटिंग की दुकान है। यहां सोने के आभूषण बनाने के लिए राजू डोलाई कारीगर के तौर पर काम करता था। 11 जनवरी 2026 को नंदकिशोर ने राजू को आभूषण बनाने के लिए 7.80 लाख रुपए मूल्या का 60 ग्राम कच्चा सोना दिया था। जिसे लेकर वह भाग गया था।

चाकूबाजों के ठिकानों पर दबिश, 126 पकड़े गए

बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने रविवार रात एक साथ सभी थानों में कांबिंग गश्त के बाद गुंडे बदमाशों के ठिकानों में दबिश दी। सभी थाना क्षेत्रों से 126 वारंटी समेत गुंडे-बदमाश पकड़े गए। लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहे 28 स्थाई वारंटी और 98 गिरफ्तारी वारंटी सीधे पुलिस की गिरफ्त में आ गए। वहीं लंबे समय से फरार चल रहे 5 इनामी फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। 43 निगरानी गुंडा-बदमाशों की जांच 13 के खिलाफ कड़ी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई पुलिस ने की है। 5 की सघन चेकिंग, 25 आदतन व संपत्ति संबंधी अपराधियों पर केस दर्ज कर जेल भेजा गया।

कर्ज का बोझ बढ़ने पर महिला ने किया जहर का सेवन, वसूली करने वाले पुलिस हिरासत में

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में कर्ज और ब्याज की रकम को लेकर महिला के जहर खाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। महिला को प्रताड़ित करने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। दोनों ने पूछताछ की जा रही है।

मामला मौहदापारा थाना क्षेत्र का है। जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास करने वाली रजिया बेगम का इलाज चल रहा है। वहीं, पुलिस ने आमीन उर्फ मीठा और असलम उर्फ पप्पा को हिरासत में लिया है।

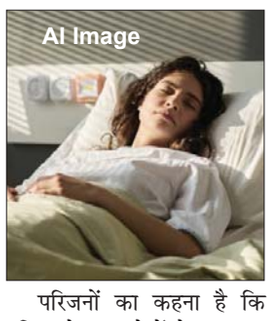

परिजनों का कहना है कि रजिया ने कुछ लोगों से ब्याज पर पैसे लिए थे। मूल रकम और ब्याज चुकाने के बाद भी उससे लगातार पैसों की मांग की जा रही थी। आरोपी कथित तौर पर घर पहुंचकर गाली-गलौज करते और रजिया को परेशान करते थे। प्रताड़ना से परेशान रजिया ने 9 अगस्त को जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मौदहापारा पुलिस ने आमीन और असलम को हिरासत में लिया है। दोनों से कर्ज और ब्याज की रकम से जुड़े विवाद के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

परिजनों की शिकायत में शहजादा, गुड्डन दादी समेत कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस इन सभी की भूमिका की जांच कर रही है। घटना के बाद मौदहापारा इलाके में आक्रोश का माहौल है।

समझाना बुझाना बेअसर ; अब नाबालिग वाहन चालकों के पेरेंट्स पर होगा एक्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस ने अब पैंतरा बदला है। पिछले काफी समय से पुलिस पालकों से अपने नाबालिग बच्चों को वाहन नहीं देने की समझाइश दे रही है जो बेकार गई है। छोटे छोटे बच्चे फर्राटे से गाड़ियां दौड़ा रहे हैं। बिना लाइसेंस वाले बच्चे भी इसमें शामिल हैं। अब पुलिस ऐसे पालकों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

एडिशनल एसपी (यातायात) कौशलेंद्र पटेल ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से नाबालिगों के वाहन चलाने और बिना लाइसेंस या जरूरी दस्तावेज के वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान स्कूलों में जाकर भी चालानी कार्रवाई की गई है। साथ ही नाबालिग वाहन चालकों के माता-पिता को बुलाकर समझाइश भी दी गई है।

पुलिस के मुताबिक, आने वाले दिनों में नाबालिगों के वाहन चलाने, अवैध पार्किंग, सड़क किनारे दुकान-ठेले लगाने और ट्रैफिक में बाधा डालने वालों पर कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस का कहना है कि इसका उद्देश्य शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर करना है, ताकि लोगों को आने-जाने में परेशानी न हो और सड़क हादसों का खतरा भी कम हो।

नदी में फेंकी डीवीआर, पर होशियारी काम न आई

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर के मस्तूरी में गतौरा शराब दुकान में हुई लूट के मामले में पुलिस ने घटना के 6 दिन बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से बचने के लिए आरोपियों ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर अरपा नदी में फेंक दिया था।

शुरुआत में पुलिस को लुटेरों की धुंधली फुटेज मिली थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों के भागने वाले रास्ते पर लगे अलग-अलग कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालनी शुरू की।

पुलिस की टीम ने लगातार 6 दिनों तक अलग-अलग रूट के सीसीटीवी फुटेज चेक किए। इस दौरान कुछ जगहों पर आरोपियों के चेहरे और बाइक का नंबर भी नजर आया।

जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को लालखदान के एक पेट्रोल पंप की फुटेज मिली।

पेट्रोल पंप की फुटेज में आरोपी देर रात हंगामा करते दिखाई दिए। पुलिस ने इसी फुटेज के आधार पर उनकी पहचान की। सोमवार तड़के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान यश निर्मलकर, अनिल कुमार ध्रुव और पिंटू केंवट के रूप में हुई है। तीनों तोरवा थाना क्षेत्र के देवरीडीह के रहने वाले हैं।

घटना 3 अगस्त की तड़के करीब 4 बजे की है। नकाबपोश आरोपी गतौरा शराब दुकान पहुंचे थे। उन्होंने वहां तैनात गार्ड को बंधक बनाकर मारपीट की और चाकू से हमला किया।

आरोपियों ने दुकान के अंदर रखे लॉकर को तोड़ने की कोशिश की। लॉकर नहीं खुला तो उन्होंने उसे जलाने का भी प्रयास किया। इसमें सफल नहीं होने पर आरोपी 10 से ज्यादा महंगी शराब की बोतलें लेकर फरार हो गए। चखना दुकान के कैमरे में आरोपी तेज रफ्तार से भागते हुए नजर आए, लेकिन फुटेज धुंधली थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों के भागने वाले रूट पर लगे अन्य कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालनी शुरू की।

पिता की हत्या के आरोप में मां-बेटे को आजीवन जेल

रायगढ़। शराब के नशे में खाना खाते समय पति ने पत्नी और बेटे को डांटा और खाना खाते-खाते घर में ही शौच कर दिया। इससे गुस्साए मां-बेटे ने प्लास्टिक की रस्सी से उसका गला घोंट दिया। हत्या के बाद दोनों ने वारदात को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की जांच में मामला सामने आ गया। रूधनी सिदार (50) और उसके बेटे परमेश्वर सिदार (29) को अपर सत्र न्यायाधीश अभिषेक शर्मा की अदालत ने हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। घटना 26 अगस्त 2021 की है।

तोरवा शराब दुकान के सामने जानलेवा हमला

पूर्व जनपद सदस्य के पति की हत्या, बुजुर्ग भी घायल

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। शराब दुकान के सामने विवाद के बाद 2 युवकों ने पूर्व जनपद सदस्य के पति की गला रेतकर हत्या कर दी। हमले में एक बुजुर्ग भी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वारदात के बाद आरोपियों ने शराब दुकान में तोड़फोड़ की और वहां लगे सीसीटीवी कैमरे को भी डैमेज कर दिया। इसके बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है।

मृतक 56 वर्षीय बबला उर्फ शिवनंदन साहू भाजपा समर्थित पूर्व जनपद सदस्य गीता साहू के पति थे। देवरी खुर्द निवासी बबला पेशे से ऑटो ड्राइवर था। तोरवा शराब दुकान के सामने बबला साहू का दो युवकों से विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने के बाद दोनों युवकों ने उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने चाकू से बबला साहू का गला रेत दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या के बाद आरोपियों ने मौके पर काफी देर तक हंगामा किया। इससे वहां मौजूद लोगों में डर फैल गया और कई लोग वहां से भाग गए। इसके बाद आरोपियों ने शराब दुकान में भी तोड़फोड़ की। उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद कुछ समय के लिए शराब दुकान बंद कर दी गई। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची।

पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। साथ ही, मौके पर मौजूद लोगों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने वारदात से पहले की सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली।

हत्या की वारदात के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान कुछ देर बाद तोरवा क्षेत्र के बूटापारा में रहने वाले रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी कन्हैया लाल (65) पर बाइक सवारों ने देवरीखुर्द के एनीकट के पास चाकू से हमला किया।

कन्हैया लाल के गले पर चाकू से वार किया गया। गंभीर हालत में उन्हें सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग पर हमला करने वाले आरोपी वही हैं, जिन्होंने बबला साहू की हत्या की थी। हालांकि, पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कार्यालय कलेक्टर दुर्ग (छ.ग.) एवं पदेन विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग,

--:: सार्वजनिक सूचना ::--

क्रमांक/914/भू-अर्जन/आ.क.नि.-16 धमधा, दिनांक 22/07/2026

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित निजी भूमि की आई.टी.आई. से परसबोड़ तक सड़क निर्माण एवं सड़क उन्नयन विकास कार्य हेतु ग्राम-धमधा प.ह.नं. 15 रानिमं. धमधा तह. धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.) के भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति-2016 के प्रावधानों के तहत अनुसूची में वर्णित भूमि को कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग (छत्तीसगढ़) के पक्ष में क्रय करने पर विचार किया जा रहा है:-

स.क्र.	भूमिस्वामी का नाम व पिता व पति का नाम	क्रय की जाने वाली भूमि का विवरण		स्थावर संपत्तियों का विवरण
		खसरा नंबर	प्रभावित रकबा हे.	
01	02	03	04	05
1	महेश, पिता सालिक राम	1985	0.0152	-
		1983	0.0232	-
		1994/1	0.0014	-
2	दानेश्वर पिता भाऊराम	1994/2	0.0032	-
3	रामसिंह पिता भाऊराम	1994/3	0.0060	-
4	शिवकुमार पिता रामा एवं अन्य	1982	0.0152	-
5	खेमू पिता फेरहा एवं अन्य	1995	0.0048	-
6	गंथौर पिता रघुवीर एवं अन्य	1981	0.0040	-
		1997	0.0040	-
7	सुकालु राम पिता खेदूराम	1998	0.0032	-
8	धनीराम पिता बालाराम	1978	0.0082	-
9	मनीष कुमार पिता नारायण प्रसाद	2001	0.0014	-
10	मीनाराम पिता पचकीड़	2002	0.0010	-
11	मनबोध पिता शीलु	2004	0.0034	-
12	दुवासा पति रामनाथ	1980	0.0092	-
		2000	0.0012	-
		2011	0.0064	-
13	झंगलु पिता शीलु	2008	0.0064	-
14	संतनराम पिता लाल प्यारा एवं अन्य	1953	0.0148	-
15	बिसम्बर पिता होमलाल	2010	0.0056	-
16	बबुलाल पिता पतिराम एवं अन्य	1952	0.0027	-
17	श्रीराम पिता बिसाहू	1951	0.0084	-
		2062	0.0084	-
	योग	23	0.1573 हे.	

02. यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की तिथि के 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति आधार सहित लिखित में कलेक्टर दुर्ग के समक्ष स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है।

(अभिजीत सिंह)
कलेक्टर जिला दुर्ग (छ.ग.)
एवं पदेन विशेष सचिव, छत्तीसगढ़
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी-262702659/3

शांति • संस्कृति • विकास • निवेश • समृद्धि

विकास भी, विश्वास भी

बस्तर : विकास, विश्वास और समृद्धि की नई गाथा

शांति, पर्यटन, उद्योग और जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर बदलती तस्वीर

“ नया बस्तर, नए भारत के विकास संकल्प का सशक्त प्रतीक है।
–नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

कभी नक्सली हिंसा और पिछड़ेपन की पहचान रखने वाला बस्तर आज विकास, विश्वास और नई संभावनाओं की भूमि के रूप में उभर रहा है। सरकार की दूरदर्शी नीतियों, सुरक्षा के सुदृढ़ प्रयासों और जनभागीदारी से यहां शांति स्थापित हुई है और उद्योग, पर्यटन, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। वर्ष 2026 का बस्तर नई ऊर्जा, नए अवसर और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

“ विकास की मुख्यधारा से जुड़ता हर गांव, हर परिवार।
–विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

शांति की मजबूत नींव पर विकास

सुरक्षा बलों के सतत प्रयासों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से बस्तर अब तेजी से शांति और विश्वास की ओर बढ़ रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क, पुल, बिजली, मोबाइल नेटवर्क, स्वास्थ्य केंद्र और स्कूल पहुंच रहे हैं।

हजारों परिवारों को मूलभूत सुविधाएं मिली हैं। गांव-गांव में विकास की रोशनी फैल रही है और लोग मुख्यधारा से जुड़कर एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क से बदलती तस्वीर

पर्यटन से खुल रहे अवसरों के द्वार

चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान और प्राकृतिक धरोहरें बस्तर की पहचान हैं। सरकार पर्यटन को स्थानीय अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाने हेतु ईको-टूरिज्म, होम स्टे, सांस्कृतिक पर्यटन और पर्यटन सर्किट के विकास पर लगातार कार्य कर रही है।

पर्यटकों की बढ़ती संख्या से स्थानीय युवाओं, महिलाओं और आदिवासी समुदायों को हजारों रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

चित्रकोट जलप्रपात बस्तर का प्राकृतिक सौंदर्य

उद्योग, निवेश और नई संभावनाएं

नई औद्योगिक नीति से बस्तर निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। खनिज, खाद्य प्रसंस्करण, वनोपज, हस्तशिल्प, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सेवा क्षेत्रों में निवेश के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

स्थानीय युवाओं, महिलाओं, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन मिल रहा है जिससे रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है।

उद्योगों से बढ़ते रोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर कदम

जनजातीय संस्कृति से वैश्विक पहचान तक

बस्तर की जनजातीय कला, शिल्प, लोकनृत्य और परंपराएं हमारी अमुल्य धरोहर हैं। सरकार इन पारंपरिक कलाओं को आधुनिक बाजार से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण, विपणन और वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है। इससे शिल्पकारों की आय बढ़ रही है और बस्तर की संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है।

ढोकरा कला – बस्तर की विशिष्ट पहचान

बस्तर दशहरा – विश्व प्रसिद्ध सांस्कृतिक उत्सव

महिला स्व-सहायता समूह सशक्त होते आत्मनिर्भर परिवार

कृषि और सिंचाई से बदलती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

सिंचाई परियोजनाओं, जल संरक्षण संरचनाओं और आधुनिक कृषि तकनीकों से किसानों को वर्षभर सिंचाई सुविधा मिल रही है। कृषि के साथ बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन और वनोपज आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहन देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी जा रही है। किसानों की आय बढ़ रही है और गांव समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं।

जनकल्याण से सशक्त होता बस्तर

शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आवास, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से हजारों परिवारों का जीवन बेहतर हो रहा है। बच्चों को बेहतर शिक्षा, युवाओं को कौशल और रोजगार, महिलाओं को आर्थिक सशक्तीकरण तथा बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन मिलने से बस्तर का हर परिवार विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है।

शांति से समृद्धि की ओर बढ़ता बस्तर, आत्मविश्वास, अवसर और नई पहचान का प्रतीक है।

विकसित बस्तर : विकसित छत्तीसगढ़ : विकसित भारत

RO- 48382/5

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950